दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 285

ग्वालियर, सोमवार 04 जुलाई 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

अमित शाह ने साधा निशाना, बोले- कांग्रेस को 'मोदी फोबिया' हो गया है

हैदराबाद। भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी में लोकतंत्र स्थापित करने के लिए उसके ही सदस्य लड़ रहे हैं, लेकिन 'गांधी परिवार' डर के कारण अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं कर रहा है। उन्होंने ये भी कहा कि कांग्रेस को 'मोदी फोबिया' हो गया है। वह देशहित के हर निर्णय का विरोध करने लगी है। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक के दौरान पारित राजनीतिक प्रस्ताव पर अपनी बात रखते हुए शाह ने यह भी कहा कि अगले 30 से 40 साल भाजपा के होंगे और भारत 'विश्वगुरु' बनेगा। शाह के संबोधन से जुड़े अंशों को मीडिया से साझा करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने संवाददाताओं को यह जानकारी दी। सरमा के मुताबिक, शाह ने राजनीति में जातिवाद, वंशवाद और तुष्टीकरण को बहुत बड़ा अभिशाप बताया और कहा कि देश की राजनीति से इनका अंत होकर ही रहेगा। शाह ने कहा, 'विपक्ष आज विपक्ष बिखरा हुआ है। कांग्रेस में लोकतंत्र स्थापित करने के लिए उसके ही

सदस्य लड़ाई कर रहे हैं, गांधी परिवार डर के कारण अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं कर रहा है।' बीजेपी के वरिष्ठ नेता शाह ने कहा कि आज कांग्रेस हताशा और निराशा में केंद्र सरकार की हर कल्याणकारी योजना का विरोध करती है, वह चाहे सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक हो, कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त करना हो या फिर कोरोना वायरस रोधी टीकाकरण हो। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस को 'मोदी फोबिया' हो गया है। वह देशहित के हर निर्णय का विरोध करने लगी है। कांग्रेस पूरी तरह से हताश और निराश है।' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि प्रर्वतन निदेशालय द्वारा उनसे हुई पूछताछ के दौरान कांग्रेस नेताओं ने विरोध प्रदर्शन कर 'ड्रामा' किया। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में परिवारों के शासन को हराएगी।

गृह मंत्री शाह ने अपने संबोधन के दौरान गुजरात दंगों पर उच्चतम न्यायालय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिली क्लीन चिट का उल्लेख किया और इसे ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि राजनीति से प्रेरित इस मामले के खिलाफ मोदी ने 19 सालों तक लड़ाई लड़ी लेकिन एक शब्द भी नहीं कहा। उन्होंने कहा, 'भगवान शंकर की तरह उन्होंने (मोदी) ने विष गले में उतार लिया।

द्रौपदी मुर्मू का असाधारण आचरण सभी के लिए प्रेरणास्पद : प्रधानमंत्री मोदी

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक के दूसरे दिन प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पद के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू की जमकर प्रशंसा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि द्रौपदी मुर्मू आदिवासी समाज से देश की राष्ट्रपति बनने वाली पहली महिला होंगी और इससे आदिवासी समाज को देश की मुख्यधारा से जोड़ने का बड़ा मौका मिलेगा। प्रधानमंत्री ने मूर्मू के जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने असाधारण आचरण से सभी को प्रेरणा देना का काम किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विषम परिस्थितियों में भी किस तरह से संयत रहकर समाज के लिए, पिछड़े और आदिवासी वर्ग के लिए काम किया जा सकता है, द्रौपदी मुर्मू जी ने ये बखूबी करके दिखाया है। उनके असाधारण आचरण को देखते हुए ही एनडीए ने उन्हें अपना राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम की भी प्रशंसा की।

कार्यकारिणी बैठक में पीएम मोदी ने दी यूपी भाजपा को मुस्लिम दलित समुदाय को साधने की सलाह

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश इकाई को मुस्लिम दलित समुदाय को साधने की सलाह दी गई। पीएम ने यह विश्लेषण करने के लिए कहा है कि मुस्लिम दलित समुदाय, जिसे आमतौर पर पसमांदा के रूप में जाना जाता है, सरकार की नीतियों से कैसे प्रभावित होता है, और उनके जीवन को तेजी से ऊपर उठाने और उन तक पहुंचने के लिए क्या काम किए जा सकते हैं। पीएम मोदी का यह सुझाव यूपी भाजपा प्रमुख स्वतंत्र देव सिंह द्वारा हैदराबाद में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में ?दी जा रही एक प्रस्तुति के दौरान आया। स्वतंत्र देव सिंह मीटिंग में उपस्थित पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों को यह बता रहे थे कि कैसे भगवा पार्टी ने मुस्लिम-यादव संयोजन के लिए जानी जाने वाली सीट आजमगढ़ में जीत हासिल की है। इसी दौरान प्रधानमंत्री ने हस्तक्षेप किया, और पार्टी नेतृत्व को यूपी में दूसरे सामाजिक समीकरणों का पता लगाने और दलित मुसलमानों तक पहुंचने के लिए कहा। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली वर्तमान भाजपा सरकार में एक मुस्लिम मंत्री दानिश

अंसारी हैं और वह पसमांदा समुदाय से आते हैं।

सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी ने मीटिंग के दौरान कहा कि हर राजनीतिक दल द्वारा दलितों, ठाकुरों और यादवों के साथ वोट बैंक की राजनीति में कई तरह के प्रयोग किए गए हैं, और कुछ साल पहले यह नहीं सोचा जा सकता था कि भाजपा आजमगढ़ में जीतेगी, लेकिन ऐसा हुआ। अब हमें विभिन्न सामाजिक समीकरणों के साथ और अधिक प्रयोग करने होंगे और उन पर काम करना होगा। अल्पसंख्यकों और हाशिए के वर्गों के उत्थान के लिए आठ साल के विकास कार्य के परिप्रेक्ष्य में, हमें यह देखने की जरूरत है कि विकास लाभांश हमारे लाभार्थियों को कैसे प्रभावित कर रहा है। पीएम मोदी ने वर्तमान जानकारी का वैज्ञानिक रूप से विश्लेषण करने और अधिक डेटा के साथ पसमांदा समुदाय की ओर ध्यान देने की बात कही। सूत्र ने स्वतंत्र देव सिंह के हवाले से कहा, 'यह हमारे लिए आश्चर्य की बात थी कि पीएम ने यूपी बीजेपी यूनिट को दलित मुसलमानों के साथ काम करने के लिए कहा। हालांकि, वह सही कहते हैं कि हमें उन लोगों के बीच भी काम करना चाहिए जो चुनावी रूप से हमारे साथ नहीं रहे हैं और अधिक सामाजिक समीकरण ढूंढने चाहिए।' 2022 के विधानसभा चुनावों में दिखे रुझानों के मुताबिक मुस्लिम समुदाय का अधिकांश वोट समाजवादी पार्टी को गया था। यह इस तथ्य के बावजूद है कि वे (मुस्लिम) केंद्र सरकार की योजनाओं के सबसे बड़े लाभार्थी वर्ग हैं। सूत्र ने कहा, 'भाजपा नेताओं के लिए उनके बीच जाना एक कठिन काम है क्योंकि अभी माहौल उतना अनुकूल नहीं है। लेकिन उनकी आंखें खोलने और उनके जीवन को ऊपर उठाने के लिए, समुदाय में पहुंचना और धीरे-धीरे पैठ बनाना महत्वपूर्ण है।'

म्यांमार में 5.0 की तीव्रता का भूकंप, दहशत में आए लोग

यांगून। सियासी अस्थिरता से जूझ रहे म्यांमार में आज सुबह 7:56 बजे प्राकृतिक आपदा ने लोगों को दहशत में डाल दिया। सुबह रिक्टर स्केल पर 5.0 की तीव्रता वाला भूकंप आया है। भूकंप विज्ञान के लिए राष्ट्रीय केंद्र के मुताबिक ये भूकंप आज सुबह यांगून के 260 किमी दक्षिण पश्चिम में आया। एक खबर के मुताबिक चीन के शिनजियांग में भी रविवार को 5.2 तीव्रता का भूकंप आया है। चीन अर्थक्वेक नेटवर्क सेंटर (सीईएनसी) के मुताबिक चीन के शिनजियांग उइगर स्वायत्तशासी इलाके में ये भूकंप बीजिंग के स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे के करीब आया। इस भूकंप की गहराई करीब 10 किलोमीटर थी। शिनजियांग में शनिवार को भी एक हल्की तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। गौरतलब है कि दक्षिणी ईरान में शनिवार को आए 6.3 तीव्रता के भूकंप में पांच लोगों की मौत हो गई थी और 44 अन्य घायल हो गए थे। रिपोर्ट में बताया गया कि इस भूकंप का केंद्र राजधानी तेहरान से करीब 1,000 किलोमीटर (620 मील) दक्षिण में होर्मोजगन प्रांत में था। ईरान में भूकंप आने के बाद लोग अपने बचाव के लिए घरों से निकलकर सड़कों पर आ गए।

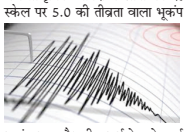

उपराष्ट्रपति चुनाव में बीजेपी कैप्टन अमरिंदर सिंह को बना सकती है उम्मीदवार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को उप-राष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए का उम्मीदवार बना सकती है। सूत्रों ने रविवार को इसकी जानकारी दी है। कैप्टन ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी छोड़ दी थी। अब खबर यह भी आ रही है कि उन्होंने जो अपनी पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस का गठन किया था, उसको भी भगवा खेमे में विलय करने की तैयारी चल रही है। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने 2022 का पंजाब विधानसभा चुनाव भाजपा और सुखदेव सिंह ढींडसा के नेतृत्व वाले शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) के साथ गठबंधन में लड़ा था। हालांकि, इस चुनाव में उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा। नई नवेली आम आदमी पार्टी ने प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाई। उपराष्ट्रपति पद के लिए 6 अगस्त को चुनाव होना है। वर्तमान उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू का कार्यकाल 10 अगस्त को समाप्त हो रहा है। इस चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य वोट डालते हैं। भाजपा के लिए यह लड़ाई काफी आसान है। दोनों सदन मिलाकर भगवा खेमे का पास पूर्ण बहुमत है उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के लिए और भी कई नाम चल रहे हैं। इनमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी भी शामिल हैं। जल्द ही किसी एक नाम पर बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व और संसदीय बोर्ड मुहर लगा सकता है। बीजेपी के सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रपति कैंडिडेट की तरह यह नाम भी चौकाने वाला हो सकता है। आपको बता दें कि कैप्टन अमरिंदर सिंह इस समय लंदन में हैं। वह वहां अपनी रीढ़ की सर्जरी के बाद स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

अमरावती हत्याकांड: सांसद नवनीत राणा ने पुलिस की कार्रवाई पर उठाए सवाल, मामले को दबाने की हुई कोशिश

अमरावती। राजस्थान के उदयपुर में दर्जी कन्हैयाला की गला रेतकर की गई हत्या के पहले महाराष्ट्र के अमरावती में एक दवा विक्रेता उमेश कोल्हे की हत्या पर निर्दलीय सांसद नवनीत राणा ने कहा कि हमने पुलिस से बात की, उन्होंने कहा कि यह चोरी की घटना की तरह लग रहा है। हमने परिवार से बात की, यह चोरी की तरह नहीं लग रहा था, क्योंकि कुछ भी नहीं लिया गया था। जब हमने इस पर बात की, एनआईए और एचएम को पत्र लिखा, जांच शुरू हुई। अमरावती सांसद नवनीत राणा ने कहा कि केंद्रीय टीम पहुंची तो सीपी आरती सिंह ने 12 दिन बाद आखिरकार कहा कि यह उनकी नुपुर शर्मा पोस्ट की वजह से है। इसलिए मैंने सीपी पर भी जांच की मांग की है कि उसने वास्तविक मामला क्यों छिपाया और पत्रकारों को सच्चाई का खुलासा न करने की धमकी दी। उमेश कोल्हे की 21 जून को हत्या कर दी गई थी। इस घटना के सिलसिले में अब तक कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इरफान खान नामक एक व्यक्ति की तलाश जारी है, जो एक एनजीओ चलाता है और इस मामले का मुख्य आरोपी है। केमिस्ट कोल्हे ने भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नुपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर कथित तौर पर कुछ टिप्पणी की थी। इसी की पृष्ठभूमि में ऐसी आशंका जतायी जा रही है कि खान ने केमिस्ट की हत्या की साजिश रची है। कोल्हे की हत्या 21 जून की रात 10 बजे से 10.30 बजे के बीच कर दी गयी, जब वह अपनी दुकान बंद कर दोपहिया वाहन से घर लौट रहे थे। केंद्र सरकार ने कहा कि महाराष्ट्र के अमरावती में एक केमिस्ट की हत्या की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) करेगी। केंद्र ने यह फैसला इस आशंका के मद्देनजर लिया है कि केमिस्ट की हत्या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निलंबित नुपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट का परिणाम हो सकती है।

कर्नाटक हाईकोर्ट के जज बोले- 'अगर मैं गलती करता हूं तो खुद का सिर काटने के लिए तैयार हूं'

बेंगलुरु। ज्यूडिशियरी के खिलाफ बेबुनियाद आरोपों को लेकर कर्नाटक हाई कोर्ट के जज जस्टिस बी वीरप्पा ने बड़ा बयान दिया है उन्होंने कहा कि अगर वे गलती करते हैं तो फिर वे खुद अपना सिर काटने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मैं जिस जज्बे से काम करता हूं और अगर मुझसे गलती होती है तो फिर विधानसभा और हाई कोर्ट के सामने भी खड़ा होने के लिए भी तैयार हूं। ज्ञात हो कि गुरुवार को कोर्ट हॉल में एक वकील ने बेंच के साथ दुर्व्यवहार किया था। इस घटना का जिक्र करते हुए जस्टिस वीरप्पा ने ये बातें कही। जस्टिस वीरप्पा ने कहा कि जब बार के सदस्य ज्यूडिशियरी के खिलाफ बेबुनियाद और

निराधार आरोप लगाते हैं तो ऐसे में एडवोकेट्स एसोसिएशन को आगे आना चाहिए। जस्टिस वीरप्पा ने कहा, ÷न्यायाधीशों के पास निश्चित सीमा के बाद सुदर्शन चक्र का उपयोग करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।÷ जस्टिस वीरप्पा के इस बयान के बाद एएबी के अध्यक्ष विवेक सुब्बा रेड्डी ने कहा कि वे जल्द ही इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे।

जस्टिस वीरप्पा ने कहा कि जब बार के कुछ सदस्य जजों के खिलाफ निराधार आरोप लगाते हैं तो ऐसे में एडवोकेट्स एसोसिएशन को ज्यूडिशरी के बचाव में आगे आना चाहिए। जस्टिस वीरप्पा ने कहा कि जज इस तरह के आरोपों को कुछ हद तक तो सहन कर सकते हैं लेकिन जब ये असहनीय हो जाता है तो जजों के पास ऐसे वकीलों पर सुदर्शन चक्र का उपयोग करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रह जाता है।

पूर्व पीएम इमरान खान की बेगम बुशरा बीबी का देशद्रोही हैशटैग चलाने वाला ऑडियो लीक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की शरीके हयात बुशरा बीबी का नया कथित ऑडियो क्लिप सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। इसमें वह पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सोशल मीडिया प्रमुख डॉ. अरसलान खालिद को निर्देश दे रही हैं कि वे पीटीआई का विरोध करने वाले लोगों देशद्रोही बताएं। रिपोर्ट के अनुसार, बुशरा बीबी को डॉ खालिद को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि इमरान खान ने उन्हें सोशल मीडिया पर देशद्रोही हैशटैग चलाने के लिए कहा है। बुशरा पूछती हैं कि इमरान खान ने आपको देशद्रोही हैशटैग के लिए कहा और इतने लोगों ने फोन किया।

आपका सोशल मीडिया सक्रिय था लेकिन यह एक साहब से सक्रिय नहीं है। ऐसा क्यों है बेटा? खालिद ने पूर्व फर्स्ट लेडी से कहा कि पीटीआई की सोशल मीडिया टीम पार्टी के खिलाफ देशद्रोही के तौर पर कैपेन चलाएगी। बुशरा बीबी ने डॉ खालिद से यह भी कहा कि जो लोग उन्हें, इमरान खान और दोस्त फराह खान की छवि खराब कर रहे हैं, उन्हें भी देशद्रोही करार दें। ऑडियो के अनुसार, बुशरा ने पीटीआई की सोशल मीडिया टीम के कुछ दिनों तक एक्टिव नहीं होने के लिए डॉ. खालिद के प्रति निराशा जताई। इससे पहले कि डॉ खालिद कुछ कह पाते, बुशरा ने उनसे कहा कि जो हुआ उसे छोड़ दें। फिर उन्होंने उसके साथ साझा किया कि अलीम खान और अन्य लोग इमरान खान, उनके और उनकी दोस्त फराह खान के खिलाफ बोलेंगे। उन्होंने बताया कि कुछ लोग हमारे खिलाफ बोलेंगे। वे बहुत सारी कहानियां बनाएंगे। आपको इसे मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है।

खास खबर

आर्थिक मोर्चे पर बेहाल पाकिस्तान में अब भारी आयात शुल्क लगाने से दवाओं की किल्लत

इस्लामाबाद। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर फेल हो चुके पाकिस्तान कंगाली के कगार पर है ऐसे में उसके सामने अब एक नई समस्या आ खड़ी हुई है। पाकिस्तान में कोविड-19 महामारी की छठी लहर की आशंका के बीच इस बीमारी के इलाज और बचाव में इस्तेमाल होने वाली दवाओं पर भारी आयात शुल्क लगाने के चलते दवाओं की किल्लत हो गई है। एक मीडिया रिपोर्ट में शनिवार को कहा गया कि इसके चलते नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान में पिछले कुछ हफ्तों के दौरान कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी हुई है और इससे संकेत मिलता है कि महामारी के खिलाफ उसकी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। गंभीर आर्थिक संकट और घटते विदेशी भंडार से जूझ रही पाकिस्तान सरकार ने इन दवाओं पर आयात शुल्क दोबारा लगा दिया था। देश में पूर्ववर्ती पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार ने नेबुलाइजर, फेस मास्क और दस्ताने जैसे उपकरणों को कर-मुक्त घोषित किया था। अखबार ने कहा कि थोक दवा संघ के अध्यक्ष मुहम्मद आतिफ ने दवाओं की किल्लत की पुष्टि की है। उन्होंने खासतौर से दवा पैनाडोल का जिक्र करते हुए कहा कि इस दवा के स्थानीय बाजारों से गायब होने की आशंका है। इस वजह से दवाओं की काला बाजारी भी बढ़ गई है।

कोच्चि एयरपोर्ट पर जांच से चिढ़कर दंपति ने कहा- चेक कर लो बम है

नई दिल्ली। कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जांच के दौरान मजाक करना एक दंपति को भारी पड़ गया। दरअसल, सुरक्षाकर्मियों ने चेक-इन काउंटर पर जब उनसे पूछा कि उनके सामान में क्या है? इस पति ने कहा कि बम है। यह सुनकर सिक्योरिटी स्टाफ के बीच हड़कंप मच गया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। केरल का 63 वर्षीय व्यक्ति और अपनी पत्नी के साथ शनिवार तड़के हवाई अड्डे पर पहुंचा था। वे दुबई के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में अपने बेटी से मिलने जाने वाले थे। एयरपोर्ट पर कपल को कई लेयर की चेकिंग से गुजरना पड़ा। इसी दौरान जब उनसे उनके सामान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि उसमें बम है। नेदुंबशरी पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, हवाई अड्डे से हमें सूचना मिली कि एक शख्स अपने सामान में बम होने की बात कर रहा है। कपल और स्टाफ के बीच हुई बातचीत टर्मिनल पर लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हो गई। भले ही ये बातें मजाक हों लेकिन हवाई अड्डों पर यह स्वीकार्य नहीं है। कपल और स्टाफ के बीच हुई बातचीत टर्मिनल पर लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हो गई। पुलिस अधिकारी ने कहा कि व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया और बाद में थाने की जमानत पर रिहा कर दिया गया। केरल पुलिस अधिनियम की धारा 118 बी (जानबूझकर अफवाहें फैलाना या पुलिस, फायर ब्रिगेड या किसी अन्य आवश्यक सेवा को गुमराह करने के लिए झूठा अलार्म देना) के तहत मामला दर्ज हुआ है।

उदयपुर कांड: आरोपी ट्रेनिंग के लिए गए थे पाकिस्तान

उदयपुर। जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी ट्रेनिंग के लिए पाकिस्तान गए थे। उदयपुर के दो मौलानाओं रियासत हुसैन और अब्दुल रज्जाक ने दावत-ए-इस्लामी की ट्रेनिंग के लिए हत्याकांड के आरोपी मुहम्मद गौस को पाकिस्तान भेजा था। गौस के साथ वसीम अत्तारी और अखूतर रजा भी पाकिस्तान गया था। एनआईए ने इन तीनों को हिरासत में लिया है। उदयपुर में कन्हैयालाल हत्या कांड की एनआईए जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। सूत्रों के अनुसार, हत्याकांड की साजिश में दो मौलाना और दो वकील भी शामिल हैं, उन्हें भी हिरासत में लिया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपियों की एक बैठक हुई थी जिसमें रियाज अत्तारी ने टेलर कन्हैयालाल को मारने की जिम्मेदारी ली थी।इस मीटिंग में रियाज, मोहम्मद गौस, आसिफ और मोहसिन शामिल थे। कन्हैयालाल की शॉप से महज 500 दूर ही मोहसिन की शॉप और पड़ोस में आसिफ के कमरे पर हत्या की साजिश रची गई थी। टेलर कन्हैयालाल की हत्या के मामले में चारों आरोपियों को शनिवार को एनआईए कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने हत्या में शामिल दो आरोपियों रियाज, मोहम्मद गौस को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। दोनों आरोपियों ने ही हत्या कर वीडियो शेयर किया था। इसके बाद राजस्थान एटीएस ने शुक्रवार को दो अन्य आरोपियों मोहसिन और आसिफ को गिरफ्तार किया था। रियाज ने आसिफ और मोहसिन को रेकलाइज करके इस वारदात में साथ देने के लिए तैयार किया था। आसिफ और मोहसिन कन्हैया लाल की हत्या की प्लानिंग से लेकर हथियार बनाने तक में शामिल रहे। कन्हैया लाल की दुकान जिस गली में थी। उस गली में पहले से रियाज और मोहम्मद गौस का आना जाना था।

न्यूज़ ट्रैक....

बुडापेस्ट में चीन में चांग यानी महिलाओं की फिना तैराकी स्पर्धा में भाग लेती हुई।

करोड़ों रुपये के टैक्स पेयर माही करा रहे वैद्य से इलाज, 40 रुपये वैद्य की फीस

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और झारखंड के सबसे बड़े टैक्स पेयर महेंद्र सिंह धोनी इन दिनों अपने घुटनों के दर्द से परेशान हैं। इसके बाद आप उम्मीद कर सकते हैं, कि धोनी देश या विदेश के किसी महंगे अस्पताल में अपने घुटनों का इलाज करवा रहे हो सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। धोनी इस बार अपने घुटनों का इलाज जंगल में एक स्थानीय वैद्य से करवा रहे हैं। दरअसल, धोनी रांची से सटे एक गांव में पेड़ के नीचे बैठकर वैद्य से दिखला रहे हैं। इस बारे में वैद्य बंधन सिंह खरवार कहते हैं, कि जब धोनी उनसे इलाज करवाने पहुंचे, तब उन्हें भी यह जानकारी नहीं थी कि उनके सामने 'माही' बैठे हैं। उन्होंने बताया कि टीवी पर नजर आने और सामने दिखने में काफी अंतर होता है। जंगली जड़ी-बूटियों की मदद से माही का पारंपरिक इलाज करने वाले वैद्य कहते है कि वह प्रत्येक मरीज की तरह धोनी से भी दवा की एक खुराक के लिए 40 रुपए का शुल्क लेते हैं। बता दें, धोनी बिना किसी तामझाम के साथ सामान्य मरीज की तरह रांची से लगभग 80 किलोमीटर दूर लापुंग के गलगली धाम में पहुंचते हैं। बताया जाता है कि धोनी घुटनों के इलाज के लिए हर चार दिन पर यहां पहुंचते हैं। इसमें धोनी के आते ही फैन्स की काफी भीड़ जुटने लगती है। इसकारण अब वह गांव पहुंचकर गाड़ी में ही बैठे रहते हैं, जहां उन्हें दवा की खुराक दी जाती है। धोनी गलगली धाम में देसी गाय के दूध ,पेड़ छाल और कई जड़ी बूटियों से बना दवा पी रहे हैं।

टीम इंडिया ने इंग्लैंड पर शिकंजा कसा

यहां पहली पारी में 17वीं बार 400+ का स्कोर बना, इतने रन बनाने वाली कोई टीम नहीं हारी

बर्मिंघम। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पांचवें टेस्ट में टीम इंडिया ने अपनी पकड़ बहुत मजबूत कर ली है। पहली पारी में भारतीय टीम ने 416 रन बनाए। जिसके जवाब में इंग्लैंड की आधी टीम 83 रन पर पवेलियन लौट गई। बर्मिंघम के मैदान पर 17वीं बार पहली पारी में किसी टीम ने 400+ का स्कोर बनाया है। इतने रन बनाने के बाद आज तक कोई भी टीम हारी नहीं है। इससे पहले 16 मौकों में से 8 बार पहले बैटिंग करने वाली टीम जीती जबकि 8 मुकाबले ड्रॉ रहे। भारत यह मैच जीतता है या ड्रॉ कराता है तो वह 15 साल बार इंग्लैंड की धरती पर टेस्ट सीरीज जीतने में कामयाबी हासिल करेगा। भारतीय टीम ने आखिरी बार 2007 में टेस्ट सीरीज अपने नाम की थी।

जल्द निकालने होंगे बेयरस्टो और स्टोक्स के विकेट : भारत टीम ने इंग्लैंड की आधी पारी तो समेट दी है, लेकिन जब तक जॉनी बेयरस्टो क्रीज पर हैं, काम अधूरा ही रहेगा। बेयरस्टो ने इस मैच से ठीक पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 394 रन बनाए थे। इनमें दो शतक शामिल थे और उनका स्ट्राइक रेट 120 से ऊपर का रहा था। जाहिर है कि अगर बेयरस्टो बड़ी पारी खेलते हैं तो इस स्थिति से भी इंग्लैंड की वापसी करा सकते हैं। उनके अलावा टीम के कप्तान बेन स्टोक्स को भी जल्द पवेलियन भेजना जरूरी होगा। स्टोक्स ऐसे खिलाड़ी हैं, जो ऋषभ पंत की तरह एक सेशन में मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं। मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड के 5 विकेट में से शुरुआती तीन विकेट जसप्रीत बुमराह ने लिए। उन्होंने पहले एलेक्स लीस को तीसरे ओवर की आखिरी गेंद पर क्लीन बोल्ड किया तो जैक क्राउली बुमराह की बाहर जाती हुई गेंद को समझ नहीं पाए और शुभमन गिल को आसान कैच दे बैठे।

इन दोनों के बल्लेबाजों के बाद बुमराह ने ओली पोप को भी अपना शिकार बनाया। पोप 10 रन बनाकर आउट हुए। जसप्रीत की ऑफ स्टंप से बाहर जाती हुई गेंद को पोप छेड़ना चाहते थे और स्लिप में खड़े श्रेयस अय्यर को कैच दे बैठे। इससे पहले मैच के दूसरे दिन बुमराह ने बल्ले से भी कमाल किया था।

भारतीय पारी के दौरान बुमराह ने सिर्फ 16 गेंद में 31 रन बना दिए। स्टुअर्ट ब्रॉड के 84वें ओवर में 35 रन बने और यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का सबसे महंगा ओवर साबित हुआ। बुमराह ने इस ओवर में चार चौके और दो छक्के लगाए। इसके साथ ही ब्रॉड को एक वाइड गेंद पर भारत को पांच रन मिले। इस ओवर में दो नो बॉल भी थे। आज तक टेस्ट मैच के एक ओवर में इतने रन कभी नहीं बने थे।

जडेजा का शानदार शतक

मैच में रवींद्र जडेजा ने बल्ले से कमाल किया और टेस्ट करियर का तीसरा शतक जड़ दिया। उन्होंने 183 गेंद में अपना शतक पूरा किया। विदेशी धरती पर जडेजा का यह पहला शतक है।

आयरलैंड दौरे से पहले ही कोरोना संक्रमित हुए न्यूजीलैंड के टी-20 कप्तान सैंटनर

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को आयरलैंड दौरे पर ऑलराउंडर मिचेल सेंटनर के बिना ही जाना होगा। कीवी टीम को आयरलैंड दौरे पर तीन-तीन मैचों की एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलनी है। न्यूजीलैंड टीम के दौरे की शुरुआत 10 जुलाई से एकदिवसीय सीरीज के साथ होगी। सेंटनर कोरोना संक्रमण से पीड़ित हैं , सेंटनर को इस दौरे के लिए कप्तान बनाया गया था ,ऐसे में अब उनके बाहर होने से टीम को करारा झटका लगा है। वहीं टीम के कोच शेन जुर्गेंसन का कहना है कि सेंटनर जब तक संक्रमण से उबरते नहीं हैं , तब तक उनकी वापसी के बारे में कुछ कहना संभव नहीं होगा। हम सेंटनर के पूरी तरह से स्वस्थ होने जाने के बाद ही कुछ कह सकते हैं। वहीं कीवी कोच का कहना है फिलहाल वह स्वस्थ महसूस कर रहे हैं। हमारी कोशिश है कि वह जल्द से जल्द पूरी तरह से स्वस्थ होकर वापसी करें हालांकि वह टीम के साथ कब जुड़ेंगे यह एक हफ्ते बाद उनके आने वाली रिपोर्ट पर निर्भर करता है कि उनका स्वास्थ कैसा है। आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए हम कोई गलती जल्दबाजी नहीं करना चाहते हैं।

टी20 सीरीज खेलेंगे रोहित

लंदन । टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ 7 जुलाई से शुरु होने वाली टी20 सीरीज में खेलेंगे। रोहित कोरोना संक्रमण से उबर गये हैं। ऐसे में अब वह आइसोलेशन से बाहर आ जायेंगे। कोरोना के कारण ही वह इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट से बाहर हैं। बीसीसीआई की ओर से पिछले दिनों टी20 और एकदिवसीय टीम घोषित की गई थी। रोहित को दोनों टीम की कप्तानी मिली थी। रोहित लीस्टरशायर के खिलाफ हुए अभ्यास मैच की पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरे थे पर इसके बाद वे पॉजिटिव होने के कारण मैच से बाहर हो गए थे हालांकि टीम के अन्य खिलाड़ियों की रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। 5वां टेस्ट 5 जुलाई को समाप्त होगा। इस कारण टी20 सीरीज के पहले मैच के लिए विराट कोहली सहित 5 वरिष्ठ खिलाड़ियों को आराम दिया गया है।

पहले टी20 मैच के लिए टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन, ऋतुराज गायकवा?, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुडा, राहुल त्रिपाठी, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पंड्या, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश खान, अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक।

दूसरे और तीसरे टी20 मैच के लिए टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुडा, श्रेयस अय्यर, दिनेश कार्तिक, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश खान और उमरान मलिक।

डेनमार्क में टूर डी फ्रांस रेस में जीत के बाद उत्साहित टीम फेबियो के जैकोबसिन उत्साहित होते हुए।

रवीना टंडन ने मां वीणा टंडन को खास अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई

नब्बे के दशक की खूबसूरत अभिनेत्री रवीना टंडन की मां वीणा टंडन का आज जन्मदिन है। इस खास मौके पर रवीना ने अपनी मां को खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है।

रवीना ने अपनी मां की कुछ थ्रोबैक तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इन ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों में उनकी मां बहुत खूबसूरत लग रही है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए रवीना ने लिखा-आपने मुझे बहुत कुछ सिखाया है, लेकिन मैं कभी आपकी सुंदरता को पार नहीं कर पाऊंगी। अपने मुझे बनाया है और मुझे सब दिया है। जन्मदिन मुबारक हो, आई लव यू मॉम! रवीना की इस पोस्ट पर उनके फैंस के साथ-साथ मनोरंजन जगत की हस्तियां भी उनकी माँ को जन्मदिन की बधाई दे रही हैं। रवीना टंडन सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रवीना टंडन जल्द ही प्रशांत नील की फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 में नजर आयेंगी।

देजा वु एक बड़े बजट की फिल्म नहीं : शरद केलकर

अभिनेता शरद केलकर अपनी पहली सोलो लीड फिल्म, थ्रिलर देजा वु की रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह उसे दबाव से नहीं तौलेंगे क्योंकि उन्हें लगता है कि दबाव से चीजें गलत हो जाती हैं। शरद ने बताया कि मैंने इस प्रोजेक्ट को बहुत सावधानी और समझदारी से चुना। यह एक बड़े बजट की फिल्म नहीं है, जहां बहुत सारा पैसा मुझ पर लगा है, लेकिन इसका कंटेंट बहुत अच्छा है। मुझे विश्वास है कि जिस तरह से हमने इसे शूट किया है, उसके कारण फिल्म की सराहना की जाएगी और मुझे निर्देशक अभिजीत वारंग पर पूरा भरोसा है। वह कहते हैं मैं किसी भी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं। अगर आप दबाव लेते हैं, तो चीजें गलत हो सकती हैं, और अगर आप कोई दबाव नहीं लेते हैं तो वे बहुत आसानी से चले जाते हैं।

फिल्म के इस साल के आखिर में नाटकीय रूप से रिलीज होने की उम्मीद है। शरद, तानाजी

द अनसंग वॉरियर, लक्ष्मी और दरबान जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए जाने जाते हैं और जल्द ही अजय देवगन, सोनाक्षी सिन्हा और संजय दत्त के साथ भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया में नजर आएंगे।

सलमान खान की फिल्म राधे की विदेश में धूम

कोरोना वायरस के चलते भारत में सिनेमाघरों को फिलहाल बंद कर दिया गया है. ऐसे में खई बड़े प्रोजेक्ट्स की रिलीज बीच में ही अटक गई थी, लेकिन सलमान खान ने अपनी फिल्म राधेः यॉर मोस्टवॉन्टेड भाई को थिएटर और ओटीटी पर रिलीज किया था. सलमान ने फैन्स से कमिटमेंट की थी कि उनकी फिल्म सिनेमाघरों में ही रिलीज होगी, लेकिन भारत में ऐसा नहीं हो पाया. विदेश में फिल्म सिनेमाघरों में लगी है. फिल्म को भारत में तो लोग ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख ही रहे हैं, साथ में फिल्म को विदेश में भी पूरा प्यार मिल रहा है. राधे की बात की जाए तो फिल्म ने दुबई और ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा कमाई की है. कोरोना संकट के दौरा में राधे ने अंतरराष्ट्रीय मार्केट में अभी तक 2.94 करोड़ रुपए कमाए हैं. ये एक बड़ा अमाउंट है. इससे साफ होता है कि फिल्म भारत के साथ विदेश में भी हिट है क्योंकि ये कमाई तब है जब सिर्फ 50 प्रतिशत के हिसाब से थिएटर में दर्शक आ रहे हैं. हालांकि हफ्ते के अंत तक फिल्म की कमाई ज्यादा होने की उम्मीद लगाई जा रही है. ओपनिंग वीकेंड पर तो वैसे ही फिल्म से ज्यादा कमाई करने की उम्मीद जताई जा रही है. सलमान खान की एक्टिंग को दर्शक काफी पसंद भी कर रहे हैं. सबसे ज्यादा फिल्म में सलमान खान की एक्टिंग दर्शकों की जुबान पर है. फिल्म के डायरेक्टर प्रभुदेवा हैं और इसमें मुख्य भूमिका में दिशा पाटनी, जैकी श्रॉफ और रणदीप हुड्डा नजर आ रहे हैं. सलमान खान की इस फिल्म में हालांकि आईएमडीबी ने कुछ खास रेटिंग नहीं दी है. आईएमडीबी ने राधे को 10 में से 2.3 स्टार्स ही दिए हैं. इसके अलावा इस फिल्म में सलमान के साथ बिग बॉस के एक्स-कंटेस्टेंट भी नजर आए हैं. इसमें गौतम गुलाटी और मनवीर गुर्जर का नाम भी शामिल है।

अभूतपूर्व, ऐतिहासिक, साहसिक, एवं अचंभित करने व दूरगामी परिणाम देने वाला भाजपा का "दार्शनिक" निर्णय

किसे क्या मिला

महाराष्ट्र में फ्लोर टेस्ट से पहले उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। सूबे में जो महा विकास अघाड़ी बहुमत का दावा कर रही थी, उसने सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के चंद मिनटों के अंदर ही हथियार डाल दिए। इस तरह ढाई साल पहले बनी महा विकास अघाड़ी सरकार का अंत हो गया। और अब भाजपा 31 महीने के बाद फिर से महाराष्ट्र की सत्ता में वापसी करने जा रही है। भाजपा ने महाराष्ट्र की सत्ता पर काबिज होने के लिए ठाकरे परिवार के करीबी एकनाथ शिंदे के जरिए ऑपरेशन लोटस को अंजाम दिया। साल 2019 के बाद भाजपा का ऑपरेशन लोटस तीसरे राज्य में सफल रहा है। हालांकि, महाराष्ट्र में भाजपा को इसके लिए करीब ढाई साल का लंबा इंतजार करना पड़ा। पार्टी ने उद्धव सरकार के तख्ता पलट के लिए खुलकर सामने आने के बजाय पर्दे के पीछे रहकर ऑपरेशन लोटस चलाया, जिसके आगे मराठा क्षत्रप शरद पवार व उद्धव ठाकरे ने अपने हथियार डाल दिए। दिलचस्प बात यह है कि पिछले दो साल में जितनी बार भी उद्धव सरकार पर संकट आया, मराठा क्षत्रप शरद पवार संकट मोचक बनकर खड़े हुए, लेकिन इस बार ऐसा लगा कि उन्होंने भी हथियार डाल दिए। शिंदे की बगावत के शुरुआती दिनों में ही उन्होंने कह दिया कि ये शिवसेना का आंतरिक मामला है, एनसीपी विपक्ष में बैठने को तैयार है। शरद पवार के पावरलेस हो जाने के पीछे वजह ये है कि उन्होंने मौके की नजाकत को समझा। कांग्रेस ने सिर्फ उद्धव ठाकरे को मरहम लगाने तक खुद की सीमित रखा, लेकिन कोई खास सक्रियता नहीं दिखाई। हालांकि, उद्धव ठाकरे की सरकार बचाने के लिए शिवसेना ने अंत समय तक बगावती गुट में फूट डालने की हरसंभव कोशिश की, लेकिन शिवसेना के बागी विधायक एकनाथ शिंदे के साथ मजबूती से खड़े रहे। अब सवाल उठता है कि ढाई साल चली महा विकास अघाड़ी सरकार के सियासी प्रयोग में शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी ने सियासी तौर पर क्या खोया और क्या पाया? उद्धव ठाकरे का मुख्यमंत्री बनना महाराष्ट्र की राजनीति की ऐतिहासिक घटना थी, क्योंकि ठाकरे परिवार से संवैधानिक पद पर बैठने वाले वो पहले व्यक्ति बने थे। ऐसे में उद्धव ठाकरे ने कई उतार-चढ़ावों से गुजरते हुए ढाई साल पूरे किए, लेकिन एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना विधायकों की बगावत ने उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया और इसके साथ ही महा विकास अघाड़ी सरकार का अंत हो गया। ऐसे में शिवसेना ही नहीं कांग्रेस और एनसीपी को भी सियासी तौर पर बड़ा झटका लगा है। महाराष्ट्र में शिवसेना और भाजपा 1984 में करीब आईं और 1989 में गठबंधन किया। हिंदुत्व के मुद्दे ने शिवसेना-भाजपा को जोड़े रखा था, लेकिन सत्ता के सिंहासन ने दोनों दलों की राहें अलग करा दीं। भाजपा से नाता तोड़कर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री जरूर बन गए थे, महा विकास अघाड़ी के सियासी प्रयोग में सत्ता जरूर उद्धव को मिल गई थी लेकिन उन्हें अपनी छवि से लेकर हिंदुत्व के विचारधारा तक का नुकसान उठाना पड़ा है। एकनाथ शिंदे की बगावत से शिवसेना पूरी तरह से बिखर गई है और पहली बार ठाकरे परिवार को सियासी तौर पर चुनौती मिली है। शिवसेना का राजनीतिक भविष्य पर संकट गहरा गया है ऐसे में उद्धव ठाकरे के हाथ से संगठन पर से नियंत्रण खो देंगे? क्या शिवसेना बिना ठाकरे परिवार के चलेगी? साल 1991 में दिग्गज चेहरे छगन भुजबल गए, 2005 में नारायण राणे गए, उद्धव के चचेरे भाई राज ठाकरे भी 2005 में अलग हो गए लेकिन ठाकरे का दबदबा कायम रहा, लेकिन शिंदे के सफल होने के बाद अब उद्धव की शिवसेना कमजोर पार्टी बनकर रह जाएगी।

राजीव खंडेलवाल

भाजपा हाईकमान मतलब सिर्फ और सिर्फ नरेंद्र मोदी और अमित शाह (बाकी तो?) के एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री पद पर बैठालने और देवेंद्र फडणवीस को मजबूर कर उपमुख्यमंत्री पद को स्वीकार करने के निर्णय ने राजनीति के इस मिथक को पुनः शत शत सिद्ध किया है, कि जो कुछ होता है, वह दिखता नहीं है और जो दिखता है, वह होता नहीं है।

महाराष्ट्र की राजनीति में धूमकेतु के समान तेजी से उभरते चाणक्य, राजनीतिज्ञ देवेंद्र फडणवीस के साथ एक दिलचस्प योग जुड़ा है कि जब वह शपथ विषम समय (आड टाइम)लेते हैं, तो राजनीति में भूचाल सा आ जाता है। यात कीजिए! पिछली बार जब उन्हें भोर सुबह 7.30 बजे शपथ ली थी, तब 3 दिन में ही उन्हें मुख्यमंत्री पद से चलते होना पड़ा था। और आज मुख्यमंत्री के बजाय उपमुख्यमंत्री पद की शपथ मन मसोस कर, मजबूरी में वह भी शाम को 7.30 बजे लेना पड़ गयी। इसके पहले जब वह वर्ष 2014 में पहली बार मुख्यमंत्री बने थे, तब उनका शपथ ग्रहण का समय सायं 4.27 बजे था। तब उनका कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरे पांच साल चला।

बड़ा प्रश्न यह खड़ा होता है कि क्या यह निर्णय अचानक लिया गया? वस्तुतः इसकी पटकथा तो गुजरात के वडोदरा में गहन रात्री में हुई अमित शाह के साथ एकनाथ शिंदे की तथाकथित मुलाकात में ही शायद यह लिखी जा चुकी थी। तथापि निर्णय जब भी लिया गया हो, ऐसा लगता है कि उक्त निर्णय में देवेंद्र फडणवीस को पूरी तरह से विश्वास में नहीं लिया गया। राज्यपाल के समक्ष फडणवीस ने दावा प्रस्तुत कर पत्रकार वार्ता की थी। तब उनका महाराष्ट्र भाजपा ने उनका एक ट्वीट के द्वारा वीडियो क्लिक जारी किया था तब वह यह कहते हुए दिख रहे है कि मैं नये महाराष्ट्र के निर्माण के लिए पुनः आउंगा। तबके उनके मुस्कुराते चेहरे के भाव की तुलना में, बाद में हुई उस पत्रकार वार्ता में जहां उन्होंने एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा की थी, तब माथे पर उभरी सलवटे के कारण चेहरे के तनाव वाले भाव से स्पष्ट हो जाता है कि, फडणवीस को उच्चतम स्तर पर हुए निर्णय में भागीदारी या विश्वास में नहीं लिया गया। फडणवीस के मुस्कुराते चेहरे के साथ दावा करते समय यह स्पष्ट था कि मुख्यमंत्री वे ही बनेंगे। क्योंकि सरकार बनाने का दावा स्वयं एकनाथ शिंदे ने किया हो ऐसा करते या ऐसा उनका कथन मीडिया में दिखा नहीं। यद्यपि फडणवीस ने शपथ ग्रहण के पूर्व हुई पत्रकार वार्ता में यह घोषणा की थी कि शिंदे ने सरकार बनाने का दावा किया है व हमने (भाजपा) उन्हे समर्थन का पत्र राज्यपाल को दिया है। संवैधानिक स्थिति भी यही है कि यदि भाजपा शिवसेना घट की साझी सरकार (गठबंधन की) हो तो उसके नेता को ही सरकार बनाने का निमंत्रण दिया जाता है। और यदि सबसे बड़े दल का नेता सरकार बनाने का दावा करता है, तो उन्हे अपने बहुमत समर्थकों की सूची राज्यपाल को देनी होती है, जो देवेंद्र फडणवीस ने पूर्व में दी थी। यह भी स्पष्ट नहीं है कि शिंदे के समर्थन में पत्र राज्यपाल को कब दिया? क्या यह सब चुपचाप राजनीति की अंधेरी गली में हो गया? राजनीतिक घटनाक्रम जिस तेजी से, बदला उससे स्पष्ट होता है कि देवेंद्र फडणवीस को शायद अंतिम समय में ही यह सूचना दी गई थी कि उन्हे मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा रहा है। तब उनके आंखों से आंसू निकले, जैसा कि उनके एक समर्थक विधायक ने मीडिया में आकर दावा भी किया है। आंसू सूख व दुख दोनों के होते हैं। फडणवीस की एक आंख के आंसू खुशी के थे क्योंकि भाजपा की सरकार बन रही है और उस उद्धव की विदाई हो रही है जिस उद्धव ने वर्ष 2019 में फडणवीस के पास से सत्ता आते-आते छीन ली थी। तो दूसरी आंख के आंसू दुख व संकट के है। उनके मुह में पका हुआ निवाला हाथ डालकर खींच कर आश्चर्यचकित कर दिया गया। ऐसा लगता है, जब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बनाने का निर्णय हाईकमान ने सुनाया/बताया तब शायद फडणवीस को उप मुख्यमंत्री बनना होगा, यह स्पष्ट नहीं किया होगा। तभी तो उन्होंने पत्रकार वार्ता करते समय सरकार से बाहर रहने की घोषणा की। उनकी इतनी हिम्मत तो नहीं हो सकती थी कि हाईकमान का निर्णय हो जाने के बावजूद वे उसकी अवहेलना कर विपरीत मंत्रिमंडल से बाहर रहने के कथन की बात प्रेस से करते। प्रेस में उक्त कथन की घोषणा जब प्रधानमंत्री, अमित शाह व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के हमेशा खुले कानों में पड़ी, तब हाईकमान की अनुशासन की घुट्टी मिलने पर देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। जेपी नड्डा का यह कथन कि फडणवीस से उपमुख्यमंत्री बनने का आग्रह व केन्द्रीय नेतृत्व का निर्देश दिया था। साथ-साथ आग्रह व निर्देश से अपने आप में यह स्पष्ट संदेश देता है। यह बात इससे और स्पष्ट हो जाती है कि शपथग्रहण समारोह में मंच पर पहले दो ही कुर्सियां लगी थी, जो बाद में बढ़ाकर तीन की गई।

बदलते राजनीतिक घटनाक्रम में एक तरह से सिद्धांतों व तर्कों की बलि दी जाकर नये सिद्धांत व तर्क की सुविधा अनुसार गढ़ना आज की राजनीति की सामान्य, सार्वजनिक, स्वीकृत प्रक्रिया है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण महाराष्ट्र का घटा घटनाक्रम है। याद कीजिए 2019 के चुनाव परिणाम आने के बाद जब उद्धव ठाकरे ने 56 विधायकों के रहते हुए मुख्यमंत्री पद की मांग भाजपा से की थी, तब भाजपा ने उनको मुख्यमंत्री बनाने से इंकार कर दिया था। तब भाजपा ने यह नहीं कहा था कि उद्धव जो बाल ठाकरे के पुत्र है, का हिन्दुत्व बाला साहेब से अलग है। क्योंकि चुनाव साथ में लड़े और वोट साथ में मांगे गये थे। परन्तु आज सिर्फ 40 विधायकों के उन शिंदे नेता को बाबासाहेब के हिन्दुत्व के नाम पर मुख्यमंत्री बना दिया गया, जिन्होंने ढाई साल तक उद्धव के उस हिन्दुत्व को झेला व साथ दिया जिसकी शिंदे ने अब आलोचना करके न केवल उद्धव का साथ छोड़ा, बल्कि भाजपा ने उन्हे भी हाथों हाथ लिया। कांग्रेस व एनसीपी के साथ गठजोड़ करने पर उद्धव उस हिन्दुत्व के उत्तराधिकारी नहीं रहे, जिस हिन्दुत्व को कांग्रेस विरोध के आधार पर बालासाहेब ठाकरे ने मजबूत किया था, ऐसा कथन भाजपा व शिंदे इस समय लगातार कह रहे हैं। शिंदे उक्त आरोप लगाते समय दो तथ्यों को भूल गये। प्रथम बाला साहेब ने इंदिरा गांधी द्वारा लगाई गई आपातकाल जो स्वाधीन भारत का अभी तक का सबसे बड़ा लोकतंत्र विरोधी ''काला'' अध्याय रहा है, का समर्थन किया था। दूसरा उस भाजपा जिसके हिंदुत्व को बेहतर मानकर मजबूत करने के लिए उनसे हाथ मिलाया, वही भाजपा का पीडीपी के साथ सरकार बनाने पर हिंदुत्व कमजोर नहीं होता है, लेकिन उद्धव का हिंदुत्व कांग्रेस के साथ पर कमजोर हो जाता है। यही तो राजनीति का असली दोहरा चेहरा है। हिन्दुत्व की बात करने वाली भाजपा क्या आज हमारी हिंदू संस्कृति को भूल गई है। आज भी कमोवेश प्रचलित हमारी हिन्दू परिवार के मुखिया की राजनीतिक सामाजिक प्रसिद्ध व साख का उत्तराधिकारी प्रायः एक सीमा तक उनकी औलाद होती है।

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपकी एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी। एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर में लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूंढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है। सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी।

चिंताजनक है युवाओं में बढ़ती मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति

योगेश कुमार गोयल

मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। भारत में मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या अन्य ऐसे ही मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं।

युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ

रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं। देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। वर्ष 1993 में मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर एक पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिखी थी, जिसमें मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया था कि अधिकांश लोगों में कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं। कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग नशे के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है।

सावधानी की गुहार

सूडोकु नवताल- 6121

मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -6120 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

सिद्धार्थ शंकर

देश में कोरोना संक्रमण खतरनाक होता जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से दैनिक मामलों में तेजी से इजाफा हुआ है। हर दिन 10 हजार से ऊपर मामले सामने आ रहे हैं। देश में सक्रिय कोरोना मरीजों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। देश में अब सक्रिय मरीजों की संख्या एक लाख के करीब पहुंच गई है। आज जारी हुए आंकड़ों के मुताबिक, 96,700 कोरोना मरीज उपचाराधीन हैं। अगर कोरोना की दैनिक या फिर साप्ताहिक संक्रमण दर पांच फीसदी या फिर उससे अधिक होती है तो यह स्थिति चिंताजनक मानी जाती है। सोमवार को दैनिक

सकारात्मकता दर 5.62 प्रतिशत दर्ज की गई थी, जबकि साप्ताहिक सकारात्मकता दर 3.39 प्रतिशत दर्ज की गई। कोरोना वायरस के संक्रमण से उपजा संकट कितना गंभीर है, इसका पता उससे लड़ने के लिए नित-नए उपायों की घोषणा के साथ हो रहा है। यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि सभी लोग इस संदेश को सही तरह समझें और एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर अपेक्षित दायित्वों का निर्वहन गंभीरता से करें। कोरोना वायरस से उपजी कोविड-19 नामक बीमारी वास्तव में एक ऐसी महामारी है, जिससे लड़ाई में हर किसी का सहयोग आवश्यक है। यह न तो आसान लड़ाई है और न ही इसे केवल सरकार के भरोसे लड़कर जीता जा सकता है। यह भूल भी नहीं की जानी चाहिए कि केवल बड़े शहरों के लोगों को ही सावधान रहने की जरूरत है। इस संकट

से बचने में तो देश के हर एक नागरिक का योगदान चाहिए- चाहे वह शहरी हो या ग्रामीण। वास्तव में देश के भीतर कोरोना वायरस के संक्रमण को थामना एक ऐसा राष्ट्रीय यज्ञ बनना चाहिए, जिसमें हर एक को अपने नागरिक दायित्व की आहुति डालनी ही है। चूंकि अब यह किसी से छिपा नहीं कि किसी एक व्यक्ति की लापरवाही पूरे समुदाय पर भारी पड़ सकती है, इसलिए हर किसी को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह खुद तो सतर्क रहे ही, दूसरे लोग भी पर्याप्त सतर्कता बरतें। यह पूरी सावधानी से कमर कसने का समय है। कोरोना फिर कहर ढाने को तैयार लगता है और प्रतिदिन मामलों की संख्या पांच अंकों में लौट आई है। कोविड-19 के मामलों और संक्रमण दर के आधार पर कई राज्यों में चिंता बहुत बढ़ गई है। भले ही लगभग 90 प्रतिशत वयस्क आबादी को दोनों खुराक लग चुकी है, मगर कोरोना का फिर से उभार सावधानी की गुहार लगा रहा है। कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है कि संक्रमण फैलने के कारणों का पता लगाकर उनका निवारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। यह ठीक है कि भारत में कोरोना वायरस की चपेट में आए लोगों की मृत्यु दर कम है, लेकिन मौत का शिकार बने लोगों की संख्या इतनी भी कम नहीं कि लोग अपेक्षित सावधानी का परिचय देने से इन्कार करें। चिंता की बात यह है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए आम लोगों को जैसी सावधानी का परिचय देना चाहिए वह नहीं दिया जा रहा है। मास्क का नियमित इस्तेमाल, साफ-सफाई और सेहत के प्रति सतर्कता ही कोरोना संक्रमण से बचे रहने का एकमात्र उपाय है, लेकिन इसके बावजूद यही देखने को मिल रहा है कि लोग लापरवाही बरत रहे हैं। हद तो यह है कि जिन शहरों और इलाकों में कोरोना मरीजों की अच्छी-खासी संख्या है, वहां भी तमाम ऐसे लोग दिख जा रहे हैं जो ढंग से मास्क नहीं लगाते। यह खुद के साथ औरों को खतरे में डालने वाला काम ही है। शायद इसी स्थिति को देखकर प्रधानमंत्री को यह कहना पड़ा कि कोरोना के खिलाफ जागरूकता बढ़ाए जाने की जरूरत है। निःसंदेह यह जागरूकता तभी बढ़ेगी जब जिला प्रशासन लापरवाह लोगों के खिलाफ सख्ती बरतेंगे। ऐसा लगता है कि तमाम लोगों ने यह मान लिया है कि लॉकडाउन से बाहर निकलने के कदम उठाने का यह मतलब है कि सब कुछ पहले जैसे हो गया है। ऐसा बिल्कुल भी नहीं है और इसका प्रमाण कोरोना मरीजों की तेजी से बढ़ती संख्या के साथ इससे भी मिल रहा है कि कई राज्य सरकारों को लॉकडाउन नए सिरे से लागू करना पड़ रहा है।

मेरा देश भारत!

दक्षिणी एशिया का सबसे बड़ा देश है भारत,
कृषि प्रधान देश है भारत,
विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है भारत,
एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतान्त्रिक गणराज्य संविधान घोषित करता है भारत!
वर्तमान में 28 राज्यों तथा 8 केन्द्रशासित प्रदेशों में बँटा हुआ है भारत,
भाषाओं में विश्व के समृद्धतम देशों में से एक है भारत,
भारतीय आस्ट्रेलियाई प्लेट का उपखण्ड के ऊपर स्थित है भारत,
मुद्रा स्थानांतरण की दर से, अर्थव्यवस्था विश्व में दसवें और क्रयशक्ति के अनुसार तीसरे स्थान पर है भारत!
चीन के बाद विश्व का दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है भारत,
फिल्म उद्योग, दुनिया की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली सिनेमा का उत्पादन करता है भारत,
भौगोलिक रूप से एशिया महाद्वीप के दक्षिण में स्थित है भारत,
कई भाषाएं, कई धर्म, कई त्यौहार, कई ऋतु और कई रंग से भरा है भारत!
कई भाषाएं, कई धर्म, कई त्यौहार, कई ऋतु और कई रंग से भरा है भारत!

डॉ. माध्वी बोरसे!
रावतभाटा (कोटा) राजस्थान !
(स्वरचित व मौलिक रचना)

हर महिला की मेकअप किट में जरूर होने चाहिए ये पांच मेकअप टूल्स

मेकअप टूल्स की मदद से मेकअप करना न सिर्फ बहुत आसान हो जाता है बल्कि मेकअप भी अच्छे से होता है। हालांकि, अगर आप मेकअप के मामले में नई हैं तो आपके लिए यह जानना जरूरी है कि मेकअप प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल करने के लिए किन मेकअप टूल्स की जरूरत होती है। आइए आज हम आपको पांच ऐसे मेकअप टूल्स के बारे में बताते हैं, जिनका आपकी मेकअप किट में होना ही जरूरी है।

मेकअप स्पॉन्ज

मेकअप स्पॉन्ज प्राइमर, कंसीलर और फाउंडेशन आदि की लेयर को चेहरे पर समान रूप से फैलाकर एक नेचुरल और स्मूद फिनिश मेकअप बेस तैयार करने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, चेहरे पर ब्लश, लूज पाउडर और यहां तक की सनस्क्रीन को अच्छी तरह से ब्लेंड करने के लिए भी मेकअप स्पॉन्ज का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए हर महिला की मेकअप किट में मेकअप स्पॉन्ज का होना जरूरी है।

काबुकी ब्रश और एंगल्ड ब्रश

काबुकी ब्रश की मदद से चेहरे पर लूज पाउडर या ब्लश लगाना आसान हो जाता है। वहीं, इससे लंबे समय तक मेकअप को सेट रखने में भी मदद मिलती है। वहीं, बात अगर एंगल्ड ब्रश की करें तो इसके इस्तेमाल से चेहरे पर कंटूरिंग करना सरल हो जाता है। बता दें कि कंटूरिंग को मेकअप का बेस माना जाता है। इसके जरिए डार्क और लाइट शेड्स की मदद से चेहरे को एक स्लिम और परफेक्ट लुक दिया जा सकता है।

आईलैश कर्लर

आईलैश कर्लर की मदद से पलकों को कर्ल करके आंखों को खूबसूरत बनाया जा सकता है। हालांकि, ध्यान रखें कि पलकों को कर्ल करते समय आईलैशेज कर्लर पर बहुत अधिक दबाव नहीं डालना है क्योंकि इस वजह से पलकें टूट सकती हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप हमेशा आईलैशेज कर्लर का इस्तेमाल आराम से करें। वहीं, पलकों को कर्ल करते समय कर्लर को बाहर की तरफ खींचने की बजाय ऊपर की तरफ घुमाएं।

आईब्रो कॉंब ब्रश

बालों की तरह आईब्रो को भी सेट करने की जरूरत होती है, जिसके लिए आईब्रो कॉंब ब्रश का इस्तेमाल करना बेहतर हो सकता है। बता दें कि आईब्रो कॉंब ब्रश दो मुंह वाला होता है, जिसके एक तरफ ब्रश होता है तो दूसरी तरफ छोटी सी कंघी होती है। आइब्रो पेंसिल लगाने के बाद ब्रश वाले हिस्से से उसे सेट कर लें और कंघी की तरफ से आईब्रो को शेप दें। यकीनन इसके बाद आपकी आईब्रो फुलर और खूबसूरत लगेंगी।

30 की उम्र के बाद इन चीजों के सेवन से बना लें दूरी

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे शरीर में हाई ब्लड प्रेशर और मधुमेह जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए स्वास्थ्य का खास ध्यान देना जरूरी है। इस दौरान डाइट का खास ध्यान रखें क्योंकि एक उम्र के बाद खान-पान की कुछ चीजें स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं। आइए आज हम आपको ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में बताते हैं, जिनका सेवन 30 की उम्र के बाद करना स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

पैकेज्ड सूप

अगर आपकी उम्र 30 के पार हो चुकी है और आप हल्की-फुल्की भूख मिटाने के लिए पैकेज्ड सूप का सेवन कर लेते हैं तो आज से ही इनका सेवन करना बंद कर दें। दरअसल, पैकेज्ड सूप में सोडियम की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर में पहुंचकर इसे हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर और स्ट्रोक आदि बीमारियों का घर बना सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप अपनी डाइट में पैकेज्ड सूप की बजाय होममेड सूप को ही शामिल करें।

ज्यादा मीठे पेय पदार्थ

कई लोग फ्लेवर्ड सोडा पानी, स्पोर्टस ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक और सॉफ्ट ड्रिंक्स जैसे मीठे पेय पदार्थों का सेवन करना काफी पसंद करते हैं, लेकिन अगर आप 30 साल के हो गए हैं तो इन पेय पदार्थों का सेवन करना बंद कर दें। दरअसल, इन पेय पदार्थों में पोषक तत्वों की कमी होती है और इनमें शुगर की मात्रा भी अधिक होती है, जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने का कारण बन सकती है।

रिफाइंड कार्ब्स

अगर आपकी उम्र 30 साल से ज्यादा है तो आपको रिफाइंड कार्ब्स से युक्त चीजों के सेवन से दूरी बना लेनी चाहिए क्योंकि रिफाइनिंग प्रक्रिया के दौरान खाद्य पदार्थों में से सभी पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। रिफाइंड कार्ब्स से भरपूर भोजन एक उच्च ग्लाइसेमिक आहार होता है, जो आपके रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ा सकता है, जिसके कारण न सिर्फ मधुमेह बल्कि याददाश्त में कमी और डिमेंशिया जैसी गंभीर बीमारियों की संभावना भी बढ़ जाती है।

अधिक वसा युक्त खाद्य पदार्थ

अध्ययनों पर गौर फरमाया जाए तो अत्याधिक वसा युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन भी 30 की उम्र के बाद करना सही नहीं है क्योंकि यह लीवर को कमजोर कर सकता है। दरअसल, इस तरह के खाद्य पदार्थ शरीर में पहुंचकर शरीर की तंत्रिकाओं और कोशिकाओं में सूजन पैदा करते हैं जिसकी वजह से लीवर कमजोर होने लगता है। इसके अलावा, ऐसे खाद्य पदार्थों के सेवन से वजन बढ़ने की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है।

गेहूं के आटे की शुद्धता जांचने के लिए अपनाएं ये तरीके

पहले कई महिलाएं खुद ही गेंहू को पीसकर आटा बनाती थीं, जो शुद्ध होता था और इसे लंबे समय तक स्टोर भी किया जा सकता था। हालांकि, आजकल लोग इतनी मेहनत नहीं करते और बाजार से गेंहू का आटा खरीद लाते हैं जिसका रंग अलग होता है और इसे लंबे समय तक स्टोर भी नहीं किया जा सकता। ये मिलावटी भी हो सकता है। चलिए आज आपको गेंहू के आटे की शुद्धता पता लगाने के कुछ तरीके बताते हैं।

- **पानी आएगा काम:** पानी के इस्तेमाल से गेहूं के आटे की शुद्धता चेक की जा सकती है। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि सबसे पहले एक गिलास में पानी भर लें, फिर इसमें एक चम्मच गेंहू का आटा डालकर छोड़ दें। इसके बाद अगर आपको गेंहू का आटा पानी में तैरता मिले तो समझ जाइए कि मिलावट है। दरअसल, ऐसा तब होता है, जब आटे में चोकर की मात्रा कम और मिलावट सामग्री की मात्रा अधिक होती है।
- **नींबू का रस करेगा मदद:** आप चाहें तो गेहूं के आटे की शुद्धता का पता लगाने के लिए नींबू के रस का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक चम्मच आटा डालकर इसके ऊपर नींबू के रस की कुछ बूंदें डालें, फिर चार से पांच मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद अगर आटे में बुलबुले उठने लगें तो समझ जाइए कि इसमें किसी न किसी चीज की मिलावट जरूर है।
- **हाइड्रोक्लोरिक एसिड सॉल्यूशन आएगा काम:** गेहूं का आटा शुद्ध है या नहीं, इसका पता आप हाइड्रोक्लोरिक एसिड सॉल्यूशन की मदद से लगा सकते हैं। इसके लिए एक टेस्ट ट्यूब में एक चम्मच आटा और हाइड्रोक्लोरिक एसिड की तीन से चार बूंदें डालें, फिर इस मिश्रण में एक हल्दी पेपर की स्ट्रिप को डुबोकर निकाल लें। अगर स्ट्रिप के रंग में कोई बदलाव नहीं आया तो समझ जाइए कि आटा शुद्ध है, लेकिन अगर स्ट्रिप लाल रंग की हो जाती है तो आटे में मिलावट है।

स्किन केयर रुटीन के दौरान इस क्रम में लगाएं प्रोडक्ट्स, मिलेगा पूरा फायदा

एक बेहतरीन स्किन केयर रूटीन के लिए सिर्फ अच्छे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना ही काफी नहीं है। अगर आप स्किन केयर प्रोडक्ट्स को सही समय और सही क्रम में अप्लाई करती हैं, तभी आपको उनका पूरा फायदा मिलता है।

हालांकि, समस्या यह है कि कई लोगों को इसके सही क्रम के बारे में पता ही नहीं है। अगर आप भी इन्हीं लोगों में एक हैं तो चलिए आज आपको स्किन केयर प्रोडक्ट्स को इस्तेमाल करने का सही क्रम बताते हैं।

फेस सीरम हैं जरूरी और स्पॉट ट्रीटमेंट से हटेंगे दाग-धब्बे

सीरम: टोनर के बाद चेहरे पर सीरम लगाएं क्योंकि इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट प्रोपर्टीज मौजूद होती हैं, जो त्वचा को हर तरह के नुकसान से बचाने में मदद कर सकता है। बेहतर होगा कि आप विटामिन-ए युक्त फेस सीरम का इस्तेमाल करें। स्पॉट ट्रीटमेंट: अगर आपके चेहरे पर किसी तरह के दाग-धब्बे हैं तो आप उन्हें हटाने के लिए सीरम के बाद एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। हालांकि, अगर आपके चेहरे पर कोई दाग-धब्बे हैं तो आप इस स्टेप को छोड़ दें।

रेटिनॉल से मिलेगा स्मूद चेहरा और फेस ऑयल से चेहरे पर आएगी चमक

रेटिनॉल: अगर आप समय से पहले झलकने वाले बढ़ती उम्र के प्रभाव, मुंहासों और दाग-धब्बे आदि से परेशान हैं तो अपने स्किन केयर रूटीन में रेटिनॉल से युक्त क्रीम या सीरम को जरूर शामिल करें। यह आपके चेहरे को एकदम स्मूद और ग्लोइंग बना देगा। फेस ऑयल: फेस ऑयल के इस्तेमाल से चेहरे को भरपूर नमी के साथ ही कई तरह के पोषक तत्व मिल सकते हैं, जिसके कारण चेहरा स्वस्थ और चमकदार नजर आता है।

सबसे पहले क्लींजर, फिर टोनर का करें इस्तेमाल

क्लींजर: सबसे पहले अपने चेहरे को साफ करने के लिए किसी ऐसे क्लींजर का इस्तेमाल करें जो आपकी त्वचा के प्रकार के हिसाब से अच्छा हो। उदाहरण के लिए तैलीय त्वचा के लिए एक्सफोलिएटिंग फेसवॉश का इस्तेमाल करें, लेकिन अगर आपकी त्वचा रूखी या संवेदनशील है तो सल्फेट मुक्त माइल्ड क्लींनर का चयन करें। टोनर: क्लींजर के बाद हाइड्रेटिंग टोनर का इस्तेमाल करें। टोनर त्वचा को हाइड्रेट करके अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करने का काम करता है।

आंखों की देखभाल के लिए आई क्रीम लगाएं और चेहरे को मॉइश्चराइज करना न भूलें

आई क्रीम: आंखों के आस-पास की त्वचा काफी पतली और नाजुक होती है, इसलिए यहां जल्द झुर्रियां और फाइन लाइन्स उभरने लगती हैं। इस परिस्थिति में आंखों की देखभाल के लिए विटामिन-सी युक्त आई क्रीम का इस्तेमाल करें। मॉइश्चराइजर: मॉइश्चराइजिंग त्वचा को पर्याप्त नमी प्रदान करती है। आप चाहें तो त्वचा को मॉइश्चराइज करने के लिए केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स की बजाय जैतून का तेल और नारियल का तेल आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सनस्क्रीन के बिना अधूरा है स्किन केयर रूटीन

मौसम भले ही कोई भी हो, रोजाना सीमित मात्रा में सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना जरूरी है। बेहतर होगा कि आप अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार ही सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। दरअसल, सनस्क्रीन त्वचा को सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाने के साथ-साथ झुर्रियों, पिगमेंटेशन और असमान रंगत को भी दूर करती है।

हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज करते समय इन गलतियों से बचें

रोजाना कुछ मिनट हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज करने से पूरे शरीर की मांसपेशियों को मजबूती और कई तरह के अन्य स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। हालांकि, बहुत से लोग इसे करते समय अनजाने में कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जिससे उन्हें इसका फायदा नहीं मिल पाता और चोट लगने की संभावना बढ़ जाती है। चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि इस एक्सरसाइज को करते समय किन-किन गलतियों से बचना चाहिए।

एक्सरसाइज तोड़ को सही से न पकड़ना

जब हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज करें तो इसकी रोड को सही से पकड़ें क्योंकि अगर ग्रिप ढंग से न बनी हो तो हाथों के छूटने से गिरने का डर रहता है। वहीं, कभी भी रोड को अजीब स्थिति में पकड़ने की कोशिश न करें क्योंकि इससे आपको चोट लग सकती है। हैंगिंग लेग रेज करते समय हमेशा रोड को ऐसे पकड़ें जैसे आप मुट्ठी बंद कर रहें हों यानी रोड के एक ओर उंगलियां तथा दूसरी ओर अंगूठे को रखें।

शारीरिक पॉश्चर का गलत होना

हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज रोड के इस्तेमाल से की जाती है, जिसे पकड़ते समय शारीरिक पॉश्चर का सही होना जरूरी है। अमूमन लोग यह एक्सरसाइज करते समय रोड पर झूलते रहते हैं, लेकिन इस गलती के कारण शारीरिक दर्द की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए इस एक्सरसाइज को करते समय ध्यान रखें कि आपका शरीर झूले के समान आगे-पीछे नहीं होना चाहिए, बल्कि एकदम स्थिर रहना चाहिए। इससे आपको एक्सरसाइज से भरपूर फायदा मिलेगा।

ठीक से सांस न लेना

कई लोग हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज करते समय ठीक से सांस नहीं लेते हैं, लेकिन ऐसा करना उनकी सबसे बड़ी गलती है क्योंकि इससे उनको नुकसान पहुंच सकता है। बता दें कि इस एक्सरसाइज के दौरान सांस लेते समय पैरों को उठाना होता है और पैरों को नीचे करते समय सांस छोड़नी होती है। अगर आप इस एक्सरसाइज के दौरान सांस पर ध्यान नहीं देते हैं तो आपको इसके कारण सांस से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

खान-पान को नजरअंदाज करना

बात चाहें हैंगिंग लेग रेज एक्सरसाइज की हो या किसी अन्य एक्सरसाइज की, उसके लिए बेहद जरूरी है कि आप अपनी डाइट पर विशेष ध्यान दें ताकि आपको एक्सरसाइज का पूरा फायदा मिलें।

भूपेश बघेल पुलिस लाईन हेलीपैड से बैकुण्ठपुर विधानसभा के दौरे पर रवाना हुए

रायपुर ब्रेकिंग- पुलिस लाईन हेलीपैड से बैकुण्ठपुर दौरे पर रवाना हुए सीएम भूपेश बघेल ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ अश्वनी अवस्थी

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पुलिस लाईन हेलीपैड से बैकुण्ठपुर विधानसभा के दौरे पर रवाना हुए. बता दें कि मुख्यमंत्री आज कोरिया जिले की बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पोड़ी (विकासखंड खड़गंवा) और पटना में लोगों से भेंट मुलाकात करेंगे। वही आम लोगों के बीच शासकीय योजनाओं की समीक्षा करेंगे। और मुख्यमंत्री बघेल बैकुंठपुर के मानस भवन में शाम को आयोजित आदिवासी सम्मेलन में शामिल होंगे। बैकुंठपुर सर्किट हाउस में विभिन्न प्रातिनिधि मंडलों से मुलाकात करने के बाद बैकुंठपुर में रात्रि विश्राम करेंगे

सीरवी छात्रावास एव परगना समिति मारवाड़ जंक्शन की नयी कारियकारिणी का गठन

पुष्पाजंली टुडे

पाली –मारवाड जंक्शन दिनांक 01-07-2022 को श्री आई माता वडेर सीरवी समाज संस्था मारवाड़ जंक्शन के प्रांगण में रामलाल सेंणचा रामपुरा हाल गांधीधाम की अध्यक्षता वह संरक्षक नेमीचंद भिमालिय के

सानिध्य में चुनाव मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें निर्विरोध चुनाव सम्पन्न हुआ।जिसमें अध्यक्ष अमराराम पवार उपाध्यक भुराराम आंगलेचा नारायण लाल चोयल बांता सचिव घीसाराम पंवार सह सचिव प्रेमाराम सोलंकी कोषाध्यक्ष दयाराम का?ग सह कोषाध्यक्ष ढगलाराम शिक्षा सचिव भुराराम गेहलोत सूर्य नगर कार्यकारिणी सदस्य नवरत्न प्रकाश,लालजी पवार ,वजाराम चोयल, तेजाराम गेहलोत रुपाराम देवड़ा,स्वरुपराम राठौड़ खिवाराम मुलेवा,नेमीचंद परिहार भानाराम काग, दुदाराम सोलंकी अचला राम पवार, भवर लाल परिहार ,भेराराम मास्टर ,रूपाराम चेलाराम भायल, धनाराम सोलंकी जगाराम आंगलेचा, उमेश गेहलोत, जस्साराम जेतपुर, चेनाराम सोलंकी ,फोजाराम हाम्बड, गेनाराम सिन्दडा ,मोती राम गेहलोत, दीपाराम, ओर रामलाल सेंणचा गांधीधाम वाले द्वारा ?51000 वअमराराम पवार द्वारा ?151000 अध्यक्ष बनने पर संस्थाओं भेट किया गया कामना करते हैं कि भविष्य में भी इसी प्रकार का सहयोग प्रदान कर संस्थान को ऊंची स्तर पर पहुंचाने का सहयोग प्रदान करेंगे।ये जानकारी सचिव दयाराम काग द्वारा दी गई

विकास व प्रगति के कार्यों को गति देंगे डॉ. शोभा सिकरवार

वार्डो में बैठकें और जनसंपर्क जारी, हुआ जोरदार स्वागत

ग्वालियर। कांग्रेस पार्टी की महापौर पद की उमीदवार डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार ने कहा है कि 66 वार्डों के विकास व प्रगति में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कांग्रेस पार्टी का जन-जन से है नाता, गरीबों की मदद करना है आता। हमने गार्बेज शुल्क खत्म करने, बकाया जल कर माफकरने, जल कर की दरें कम करने, संपत्तिकर कम करने, निगम कर्मचारियों को नियमित करने, पाँच सौ गरीब कन्याओं का निःशुल्क विवाह कराने, स्वरोजगार के लिए 50-50 हजार रुपये देने एवं महिलाओं को सिलाई मशीन देने समेत अनेक जनहितकारी कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया है। कांग्रेस को आप सब विजयश्री का आशीर्वाद दें, हम आपकी अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे।

कांग्रेस महापौर पद की उम्मीदवार डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार ने वार्ड 21, 37,49 समेत अन्य वार्डों में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर बैठकें और सभाएं की तथा आमजनों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हम 15 साल पार्षद रहे है, हमारे वार्ड का काम देखिए, आगे हम 66 वार्डों में विकास व प्रगति का नया इतिहास लिखेंगे और आम आदमी को सुविधाएं देते हुए टैक्स के बोझ को कम करेंगें। उन्होंने कहा कि विधायक सतीश सिकरवार का स्वास्थ्य खराब है, अगर मेरी जनता मेरे साथ चुनाव लड़ रही है और कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता प्रण-प्राण से जुटे हुए हैं । मुझे सभी वार्डों में जनता का स्नेह व आशीर्वाद मिल रहा है । इस दौरान जगह-जगह डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार का पुष्पवर्षा कर आमजनों ने आत्मीय स्वागत कर सर पर हाथ रखके आशीर्वाद दिया।

नगरा थाना अंतर्गत तीन लोगों ने रामनिवाश शर्मा के साथ कि मारपीट, गम्भीर हालात में मुरैना रेफर।

पुष्पांजली टुडे

मुरैना-घटना मुरैना जिले के नगरा थाना अंतर्गत लाल पुरा में तीन लोगों के द्वारा एक व्यक्ति को मारपीट का मामला सामने आया है बताया जा रहा है कि लाल पुरा निवासी रामनिवास शर्मा पुत्र श्रीकृष्ण शर्मा उम्र 54 साल के साथ शराब के पैसे मांगने को लेकर विवाद हो गया आपको बता दे कि शराब के लिये 500 रुपये लालपुरा गांव के गोविन्द शर्मा, सुनील तोमर अमन सिकरवार द्वारा मांगे गये जिस पर रामनिवाश शर्मा ने मना कर दिया जिसको लेकर गोविन्द शर्मा, सुनील तोमर एवम अमन सिकरवार ने भद्दी भद्दी गालियां देना शुरू

कर दिया जब रामनिवाश शर्मा ने इसका विरोध किया तो तीनों लोगो ने डंडे एवम लोहे के शरिया से मार पीट शुरू कर दी आपको बता की रामनिवाश शर्मा को जब तक मिलकर मारा जब कि वह अधमरा न हो गया

जिसके बाद स्थानीय लोगो ने जब रामनिवाश शर्मा को पिटता देखा तो मौके पर पहुँच कर बचाया जिसके बाद तीनों लोग मौके से भाग खड़े हुये जिसके बाद रामनिवाश शर्मा अपने साथियों के साथ थाना नगरा पहुँचे जहाँ पर उन्होंने सारा घटना क्रम बताया जिस पर उनकी स्रद्ढक्र दर्ज की गई और उनको मेडिकल उपचार के लिये पोरसा सरकारी हॉस्पिटल पहुचाया गया पर हालात ज्यादा गंभीर होने के कारण उनको मुरैना भेजा गया बताया जा सरिया एवम डंडे की चौट ज्यादा होने के कारण नाक एवम मुँह से काफी खून बह गया था हालांकि स्रद्ढक्र दर्ज हो गई है जिसके बाद पुलिस कर्मी तीनो लोगो की तलाश कर रही है।

अति संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ाई, पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती के बीच होगा मतदान

नगरीय निकाय चुनाव में आतंकी खतरा, इंटेलिजेंस इनपुट के बाद अलर्ट

भोपाल। प्रदेश में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव में आतंक का खतरा मंडरा रहा है। सरकार को मिले इंटेलिजेंस इनपुट के बाद सुरक्षा एजेंसीयां अलर्ट पर हैं। प्रशासन ने अति संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी है। लोग पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती के बीच मतदान करेंगे।पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों की पुलिस को अलर्ट जारी किया है।

सूत्रों के अनुसार उदयपुर की घटना के बाद इंटेलिजेंस को इनपुट मिला है कि आतंकवादी सांप्रदायिक हिंसा के जरिए लोगों को भड़काने का काम कर सकते हैं।

इस इनपुट के बाद पुलिस मुख्यालय ने इंटेलिजेंस सिस्टम को पहले से ज्यादा सक्रिय रहने निर्देश दिए हैं। पुलिस की हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर है।

प्रदेश में पूरी तरह से शांतिः गृहमंत्री

गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने उदयपुर की घटना पर कहा कि मध्य प्रदेश में पूरी तरह से शांति है। राजस्थान से लगी प्रदेश की सीमाओं पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उसी दिन अलर्ट जारी कर दिया था। अभी तक उदयपुर का मध्य प्रदेश से कोई कनेक्शन नहीं मिला है. उन्होंने कहा कि उदयपुर बार एसोसिएशन द्वारा कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपियों का केस नहीं लड़ने का फैसला स्वागत योग्य है. समाज में भय और आतंक का वातावरण पैदा करने वाले लोगों के खिलाफ समाज का आगे आना निसंदेह स्वागत योग्य है।

भोपाल के एडिशनल पुलिस कमिश्नर सचिन अतुलकर ने कहा कि उदयपुर के घटनाक्रम के बाद संवेदनशीलता बढ़ गई है. पुलिस जनता से भी वार्तालाप कर रही है। चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा बढ़ाई गई है। सोशल मीडिया पर भी भड़काऊ पोस्ट होने पर पुलिस तत्काल कार्रवाई कर रही है. भोपाल में 6 जुलाई को होने वाले मतदान को लेकर संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त फोर्स की तैनाती करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं. इसके अलावा पेट्रोलिंग और सोशल मीडिया सेल को एक्टिव कर दिया गया है।

पुलिस ने जनता से की अपील

एडिशनल पुलिस कमिश्नर सचिन अतुलकर ने बताया कि निष्पक्ष शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न कराने के लिए थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि वह अपने क्षेत्र में गुंडे-बदमाशों पर कार्रवाई करें। उन्होंने लोगों से अपील की है कि उदयपुर की घटना को लेकर सतर्क रहें और इस तरह का वीडियो सामने आते ही पुलिस को सूचना दें. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई होगी. सरकार ने वरिष्ठ अधिकारियों को स्थानीय थानों का भ्रमण करने के निर्देश दिए हैं।

मतदान दलों पर हमले की घटनाओं से कर्मचारी चिंतित, सुरक्षा बढ़ाने की मांग

भोपाल। पंचायत चुनाव में मतदान दलों पर हमले की घटनाओं से कर्मचारी चिंतित भी हैं और नाराज भी। कर्मचारी संगठनों ने चुनाव कार्य में लगे कर्मचारियों की सुरक्षा बढ़ाने सहित मतगणना जिला मुख्यालय पर कराने की मांग की है। संगठनों का कहना है कि आमतौर पर शांत माने जाने वाले क्षेत्रों में भी इस बार हिंसक घटनाएं हुई हैं। पीठासीन अधिकारी और उसका सहयोगी दल उपद्रवियों का निशाना बना है। इससे कर्मचारी सुरक्षा को लेकर आशंकित हैं, तो उनके परिजन तनाव में हैं।

मध्य प्रदेश मंत्रालयीन कर्मचारी संघ, राजपत्रित अधिकारी संघ, लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ सहित अन्य संगठनों ने राज्य निर्वाचन आयोग और मुख्यमंत्रीको ज्ञापन सौंपा है। संगठनों ने कहा कि दतिया जिले में ग्राम पंचायत हथलई में मतदान दल से मारपीट कर मतपेटी छीनकर कुएं में डाली गई। शिवपुरी जिले के खनियांधाना में पीठासीन अधिकारी को मतपेटी सहित कुएं में धकेल दिया। भिंड में मतपत्र लूटे। नर्मदापुरम जिले के सिवनी मालवा में बांका बेड़ी पंचायत में हारे हुए प्रत्याशी के परिजनों ने मतदान दल और तैनात पुलिसकर्मियों पर डंडों और बेसबाल से हमला कर दिया। इन घटनाओं के कारण कर्मचारी चुनाव ड्यूटी से बचने लगे हैं और चुनाव ड्यूटी करके जब तक कर्मचारी घर नहीं आ जाता तब उसके परिजन तनाव में रहते हैं। मंत्रालयीन कर्मचारी संघ के संरक्षक सुधीर नायक,राजपत्रित अधिकारी संघ अध्यक्ष डीके यादव सहित अन्य नेताओं ने मतदान दलों की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि खासतौर पर मतगणना के समय और उसके बाद मतदान कर्मियों को विशेष सुरक्षा दिए जाने की जरूरत है। मतगणना के दौरान असामाजिक तत्वों का प्रवेश प्रतिबंधित करें या विधानसभा चुनावों की भांति मतगणना जिला मुख्यालय पर ही कराएं।

सीएम शिवराज ने चाय पर चर्चा के साथ की जनसंपर्क की शुरूआत, बोले- मैं सरकार नहीं परिवार चलाता हूं

भोपाल। नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा की महापौर प्रत्याशी मालती राय के लिए जनता से समर्थन मांगने रविवार सुबह मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चाय के साथ जनसंपर्क की शुरुआत की। वह सुबह साढ़े सात बजे मध्य विधानसभा क्षेत्र की 12 नंबर मल्टी स्थित गणगौर मंदिर पहुंचे। यहां लोगों के साथ चाय पी कर उनकी समस्याएं सुनी और आश्वस्त किया की वह भाजपा की महापौर प्रत्याशी एवं पार्षद प्रत्याशी को अपना समर्थन दें। उनकी समस्याएं और शहर के विकास की जिम्मेदारी मामा और भाजपा पर छोड़ दें। इस दौरान महापौर प्रत्याशी मालती राय, जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी, पूर्व सांसद आलोक संजर, सुरजीत सिंह चौहान, ध्रुव नारायण सिंह सहित अन्य भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। इस दौरान सीएम शिवराज ने चाय की चुस्कियों के बीच लोगों से चर्चा की और भाजपा के प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए वोट के रूप में उनका आशीर्वाद मांगा। सीएम शिवराज ने कहा कि मैं आप सबसे आग्रह करता हूं कि भाजपा की मेयर प्रत्याशी बहन श्रीमती मालती राय और सभी पार्षद प्रत्याशियों को अपना आशीर्वाद दीजिए और विकास की जिम्मेदारी मुझ पर छोड़ दीजिए।

कमलनाथ ने गरीब बहनों के कल्याण की योजना क्यों बंद की

उन्होंने पूर्ववर्ती कमलनाथ पर भी हमला बोला और कहा कि संबल योजना में हमने तय किया कि गरीब गर्भवती बहनों को प्रसव से पूर्व 4 हजार और प्रसव पश्चात 12 हजार रुपये दिये जायेंगे। मैं कमल नाथ जी से पूछना चाहता हूं कि मेरी गरीब बहनों के कल्याण की इस योजना को क्यों बंद कर दिया।। उन्होंने जनता को आश्वासन दिया कि नगर के सर्वांगीण विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी इसके अलावा मुख्यमंत्री ईदगाह हिल्स स्थित केंसर अस्पताल के पास हितग्राही सम्मेलन में पहुंचे और जनता को संबोधित करते हुए पार्टी प्रत्याशियों के लिए समर्थन मांगा।

पेड़ से टकराई बाइक, तीन की मौके पर मौत

मंडला। जिले के बिछिया थाना अंतर्गत छपरताल से तकरीबन एक किलोमीटर दूर महुआ के पेड़ से बाइक टकरा जाने के कारण तीन युवकों की मौके पर मौत हो गई है घटना देर रात की बताई गई है हालांकि घटना कितने बजे हुई है यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। युवकों का शव धन राम साहू के खेत में मिला है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची बिछिया पुलिस ने शव का पंचनामा दर्ज कर शव पीएम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया भेज दिया है। जहां पीएम की बात तो स्वजन के सुपुर्द किया गया है। बताया गया है कि सभी मृतक अपने गांव जा रहे थे जहां देर रात उनकी बाइक तेज रफ्तार से महुआ के पेड़ से टकरा गई रात होने के कारण सभी गंभीर हालत में खेत में पड़े रहे जिसके कारण उनकी मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार मृतक छपरताल के रहने वाले हैं जिनकी पहचान मोती लाल पुत्र बुधराम धुर्वे उम्र 22 वर्ष ,दीनदयाल पतरे पुत्र अजीत पतरे 17 वर्ष व सतीश झारिया पुत्र लक्ष्मी झरिया उम्र 20 वर्ष के रूप में की गई है।

एक रुपए किलो में मिलेगा फोर्टीफाइड चावल

विटामिन बी 12 और पोषक तत्वों से भरपूर होगा चावल

भोपाल। एनीमिया बीमारी की रोकथाम के लिए अब सरकार राशन दुकानों से पौषक तत्वों से भरपूर फोर्टीफाइड चावल का वितरण करने जा रही है। प्रदेश स्तर पर फोर्टीफाइड चावल परियोजना को खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग के माध्यम से संचालित किया जाएगा।

फोर्टीफाइड चावल सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से राशन दुकान से एक रुपए प्रति किलोग्राम की दर से दिया जाएगा। इस चावल के रखरखाव और उपयोग करने के तरीकों लेकर राशन दुकान संचालकों को निर्देश भी जारी किए गए हैं। साथ ही लोगों को फोर्टीफाइड चावल के लाभ के बारे में बताने के लिए अभियान भी चलाया जाएगा। सहायक आपूर्ति अधिकारी केके टेकाम ने बताया कि फोर्टीफाइड चावल वितरण को लेकर आदेश आ चुके हैं। आवंटन जारी होने के बाद जल्द ही राशन दुकानों से इसका वितरण शुरू कराने की प्रक्रिया की जाएगी।

खाद्य विभाग कर रहा वितरण की तैयारी

फोर्टीफाइड चावल के वितरण को लेकर खाद्य विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि राशन दुकानों से इस समय गेहूं का वितरण बंद कर दिया गया है। उपभोक्ताओं को महज चावल भर दिया जा रहा है, लेकिन यह चावल फोर्टीफाइड नहीं है। आवंटन के बाद राशन दुकानों से इसका वितरण शुरू हो जाएगा। फोर्टीफाइड चावल से तात्पर्य है कि धान की मिलिंग के दौरान चावल में पोषक तत्व आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी 12 को मिलाया जाएगा। पोषक तत्वों के मिश्रण से शरीर में होने वाले पोषक तत्वों की कमी की पूर्ति की जाएगी। बताया गया कि भोजन में पोषक तत्वों की कमी होने पर एनीमिया जैसे गंभीर रोग हो जाते हैं। खून में आयरन की मात्रा कम होने लगती है। इससे अधिक थकान होना, त्वचा का पीला होना, जीभ, नाखूनों में सफेदी, सांस फूलना आदि जैसी शिकायतें होने लगती है।

देश के पहले मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर की शुरुआत

भोपाल। चिकित्सा क्षेत्र में आने वाली नई चुनौतियों और ट्रीटमेंट की नई टेक्नीक को लेकर अब भोपाल में डॉक्टर और साइंटिस्ट रिसर्च करेंगे। भौंरी स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च में रक्षा अनुसंधान संस्थान के डायरेक्टर जनरल डॉ. उपेन्द्र कुमार सिंह ने देश के पहले मेडिकल साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर का उद्घाटन किया। आईसर में शुरू किए गए मेडिकल साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर की कमान एम्स भोपाल के पूर्व डायरेक्टर प्रो. सरमन सिंह को दी गई है। यहां मेडिकल सेक्टर में नई जांच किट, दवाओं और इंस्ट्रूमेंट्स को लेकर रिसर्च और इनोवेशन किए जाएंगे।

डॉक्टरों और साइंटिस्ट मिलकर करेंगे रिसर्च

डॉ.सरमन सिंह ने बताया कि डॉक्टर और साइंटिस्ट अपने काम में लगे रहते हैं। साइंटिस्ट और डॉक्टरों के बीच जरूरत के अनुसार रिसर्च नहीं हो पाती। अमेरिका के बाद भोपाल में भारत का यह पहला संस्थान होगा जहां डॉक्टर और बेसिक साइंटिस्ट मिलकर नीड बेस्ड रिसर्च करेंगे। इसमें बीमारियों के हिसाब से डायग्नोस्टिक किट, मेडिसिन, वैक्सीन, और इंस्ट्रूमेंट्स मौजूदा जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए जाएंगे।

पीएचडी के बाद नहीं निकलते नतीजे

डॉ. सरमन सिंह ने बताया कि अक्सर एक ही टाइप के सब्जेक्ट्स पर सैकडों लोग पीएचडी कर लेते हैं लेकिन उसके बाद प्रोडक्शन का रिजल्ट नहीं मिलता। अब मेडिकल फील्ड में जरूरतों के हिसाब से वैज्ञानिक शोध कर अविष्कार करेंगे। इसमें आईसर ने एम्स, डीआरडीओ के अलावा दूसरे मेडिकल इंस्टीट्यूट्स के साथ एमओयू किया है।

अमेरिका के बाद देश का पहला संस्थान

आईसर के अधिकारियों ने बताया कि अभी यह सेंटर शुरू होने के बाद आगामी समय में यहां 30 बिस्तरों का हॉस्पिटल भी शुरू किया जाएगा। जिसमें मरीजों की सहमति लेकर उनकी बीमारियों पर रिसर्च की जाएगी। जिन मामलों में डॉक्टर बीमारी को सही तरीके से नहीं पकड़ पाते उनकी जांच और उपचार की तकनीक पर रिसर्च की जाएगी। इसमें मरीज को रहने खाने, दवाओं और इलाज की सुविधा पूरी तरीके से फ्री रहेगी। लेकिन मरीज को रिसर्च के बारें पहले से सहमति देनी होगी। इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद अगले कुछ सालों में यह शुरू किया जाएगा। अमेरिका में ऐसा संस्थान है भारत में यह पहला इंस्टीट्यूट होगा।

छह महीने पहले मिल गई थी मंजूरी

आईसर के डायरेक्टर डॉ.शिवा उमापति ने बताया कि करीब 6 माह पहले केंद्र को मंजूरी मिलने के बाद इसका औपचारिक उद्घाटन डीआरडीओ के महानिदेशक प्रो.उपेंद्र कुमार सिंहने किया है। उद्घाटन के दौरान प्रो उपेंद्र सिंह ने कहा कि आईसर भोपाल की नई पहल से आईसर भोपाल के फैकल्टी और एम्स भोपाल और दूसरे चिकित्सा संस्थानों के सहयोग से कई नवाचार किए जाएंगे।

पीएससी परीक्षा में शामिल होने चुनाव ड्यूटी से दो दिन की छुट्टी दें

जबलपुर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में शामिल होने से वंचित हो रहे सब इंजीनियर्स ने राहत की सांस ली है। हाई कोर्ट ने उनका दर्द गंभीरता से लिया। इसी के साथ उनके हक में आदेश सुनाया। इससे उनका संकट टल गया है। इंसाफ की आस पूरी हुई है। हाई कोर्ट ने साफ किया है कि चुनाव आयाग वैकल्पिक उपाय करे। इस तरह परेशान नहीं किया जा सकता। यह भविष्य का सवाल है। हाई कोर्ट ने चुनाव आयुक्त को निर्देश दिए हैं कि याचिकाकर्ता सब इंजीनियर्स को निर्वाचन ड्यूटी से दो दिन का अवकाश दें ताकि वे पीएससी की परीक्षा में शामिल हो सकें। न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ ने इस संबंध में कलेक्टर दमोह और मंदसौर को भी निर्देश जारी किए हैं।

सोने के नाम पर किया सरकार में निवेश, 45 लाख गंवाए

भोपाल। एमपी नगर थाना इलाके में सरकार नाम से संचालित ट्रेडिंग कंपनी तीन लोगों को लगभग 45 लाख रुपये की चपत लगाकर फरार हो गई। कंपनी ने सस्ते सोने के नाम पर लोगों से कंपनी में निवेश करवाया था। कंपनी रुपये लगाने वालों को साप्ताहिक ब्याज देती थी। एमपी नगर थाना पुलिस ने एक युवक की शिकायत पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक अशोका गार्डन निवासी विजय प्रजापति, इलेक्ट्रोनिक एंड इलेक्ट्रिकल्स की दुकान का संचालन करते हैं। उन्होंने पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उसमें बताया कि 228, एमपी नगर जोन एक में सरकार ट्रेडिंग कंपनी नाम से दफ्तर था। कंपनी के संचालक सक्षम सरकार से उनकी अगस्त 2021 में मुलाकात हुई। सक्षम सरकार ने उन्हें सस्ता सोना दिलाने की बात कही। साथ ही भरोसा दिलाया कि यदि वह सोने के लिए रुपए जमा करते हैं तो उन्हें प्रति सप्ताह ब्याज भी मिलेगा। उसकी बात पर भरोसा करते हुए विजय ने चार लाख रुपये सक्षम सरकार की कंपनी में निवेश कर दिए। उन्हें प्रति सप्ताह ब्याज मिलने लगा। वह लालच में आ गए और उन्होंने अपनी संप?ति बेचकर कुल 16 लाख 39 हजार रुपये कंपनी में निवेश कर दिए। उन्हें करीब चार सप्ताह में 27 हजार रुपये ब्याज मिला था। इसके बाद कंपनी के दफ्तर पर ताला लग गया।

ऑटोमोबाइल सेक्टर में हटी मंदी, प्रदेश में पहली तिमाही में वाहनों की बिक्री बढ़ी

इंदौर में तीन हजार कारें ज्यादा बिकीं,ग्वालियर में कमी आई

भोपाल। वर्तमान वित्त वर्ष की पहली तिमाही आटोमोबाइल सेक्टर के लिए अच्छी रही है। पिछले दो साल की तुलना में इस साल की पहली तिमाही में अधिक वाहनों की बिक्री हुई है। हर तरह के वाहन की बिक्री बढ़ी है। यह हकीकत परिवहन विभाग में रजिस्टर्ड हुए वाहनों के आंकड़े बयां कर रहे हैं। चार पहिया वाहनों की तुलना की जाए तो इंदौर में तीन हजार 527 की बढ़ोतरी दर्ज हुई है, लेकिन ग्वालियर में तीन हजार 718 की कमी आई है। अब वाहनों पर वेटिंग भी घटी है, जिसके चलते बिक्री में बढ़ोतरी के आसार हैं।

कोविड-19 के संक्रमण के चलते वाहनों की बिक्री घट गई थी। साथ ही कारों पर लंबी वेटिंग हो गई थी, जिससे लोगों को वाहन नहीं मिल पा रहे थे। इससे परिवहन विभाग की आय में भी गिरावट आई। विभाग को सबसे ज्यादा आय वाहनों के रजिस्ट्रेशन से होती है। इस वजह से राजस्व का लक्ष्य भी पूरा नहीं हो सका था। वर्तमान वित्त वर्ष में स्थिति अच्छी होती दिख रही है। एक अप्रैल से 30 जून (पहली तिमाही) में वाहनों की

कंपनियों से 80 फीसदी तक बढ़ी आपूर्ति

चार पहिया वाहनों में सेमी कंडक्टर चिप लगती है। डीजल गाड़ी में यह 200 से 250 तक लगती है। जबकि पेट्रोल गाडियों में करीब चिप लगती हैं। इन चिप की कमी होने की वजह से दो साल से कंपनियों से कारों की आपूर्ति 40 फीसदी तक रह गई थी, जिसकी वजह से वाहनों की पूर्ति नहीं हो पा रही थी। आटोमोबाइल कारोबारी एचके समाधिया का कहना है कि कंपनियों से जो गाड़ी नहीं मिल पा रही थी, अब वैसी स्थिति नहीं रही है। 80 फीसदी तक आपूर्ति बढ़ी है, जिससे ग्राहकों को वाहन उपलब्ध करा पा रहे हैं। आने वाले समय में स्थिति में सुधार आने वाला है। एक-एक साल तक की वाहनों पर वेटिंग थी, वह घटकर 3 से चार महीने पर आ गई है।

चार महानगर में कारों की स्थिति

महानगर	2022	2021	2020
इंदौर	17420	13893	7125
ग्वालियर	5936	9654	884
भोपाल	10088	9964	6116
जबलपुर	5644	5054	3174

(नोट :1 अप्रैल से 30 जून के बीच रजिस्टर्ड हुए हैं।)

इस सेक्टर की हालत में सुधार

वर्ष 2020-2021 में माल वाहक वाहनों की बिक्री में कमी आई थी, क्योंकि उद्योग व धंधे बंद होने से माल का परिवहन कम हुआ था। जिससे माल वाहक वाहनों को भाड़ा नहीं मिल पा रहा था, लेकिन स्थिति में सुधार आने पर इन वाहनों की ओर लोगों की चाहत बढ़ी है।

रेल के सामान्य श्रेणी के टिकटों की बढ़ने लगी बिक्री

आरक्षण की बंदिश हटी तो बढ़े यात्री भी

भोपाल। आरक्षण की बंदिशें खत्म हुई तो रेल के सामान्य श्रेणी के टिकटों की बिक्री बढ़ने लगी है। ट्रेनों में यात्रियों की भीड भी बढने लगी है। कोरोना काल में प्रारंभ हुई सामान्य श्रेणी के कोचों में आरक्षण की बंदिशें अब शिथिल हो गई है। इसके बाद सामान्य श्रेणी के टिकटों की बिक्री बढ़ने लगी है। यह बदलाव बीते एक हफ्ते में देखने को मिला है। इसका फायदा रेलवे को तो हुआ ही है, आम यात्रियों को भी हो रहा है। अब वे तुरंत टिकट लेकर आसानी से सफर करने लगे हैं। भोपाल रेल मंडल में 25 जून तक एक दिन में 29 हजार सामान्य टिकट बिकते थे।

नगरीय निकाय आम निर्वाचन-2022

चुनावी खर्चे में विसंगति मिलने पर प्रत्याशियों के खिलाफ होगी कार्रवाई : व्यय प्रेक्षक श्री भदौरिया

वीडियोग्राफी से होगा चुनावी खर्चे का मिलान

ग्वालियर। जिले के सभी नगरीय निकायों में चुनावी प्रचार की वीडियोग्राफी कराई जा रही है। प्रत्याशियों द्वारा दिए गए चुनावी खर्चे के हिसाब-किताब का मिलान इस वीडियोग्राफी से कराया जायेगा। अगर कोई विसंगति पाई गई तो संबंधित प्रत्याशी के खिलाफ राज्य निर्वाचन आयोग के प्रावधानों के तहत कार्रवाई होगी। यह जानकारी राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जिले में नगरीय निकाय निर्वाचन में प्रत्याशियों द्वारा किए जा रहे चुनावी खर्च पर निगरानी रखने के लिये नियुक्त व्यय प्रेक्षक श्री वही एस भदौरिया ने दी है। उन्होंने कहा है कि प्रत्याशी निर्धारित अवधि के भीतर अपना व्यय लेखा प्रस्तुत करें, अन्यथा उन्हें चुनाव के अयोग्य ठहराया जा सकता है।

निर्वाचन व्यय प्रेक्षक श्री भदौरिया ने बताया कि अभी तक यह सामने आया है कि

नगर निगम ग्वालियर के अंतर्गत चुनाव लड़ रहे 358 पार्षद पद के प्रत्याशियों में से 64 प्रत्याशियों ने व्यय लेखा प्रस्तुत नहीं किया है। इसी तरह नगर पालिका निगम डबरा में 146 प्रत्याशियों में से 109, नगर परिषद आंतरी में 37 में से 2, पिछोर में 50 में से 28 व भितरवार में 83 प्रत्याशियों में से 23 प्रत्याशियों ने अपने चुनावी खर्च का ब्यौरा प्रस्तुत नहीं किया है। नगर परिषद बिलौआ में सभी 62 प्रत्याशियों ने अपना व्यय लेखा प्रस्तुत कर दिया है, जबकि मोहना के 80 प्रत्याशियों में से किसी ने भी चुनावी लेखा-जोखा पेश नहीं किया है। नगर निगम ग्वालियर में महापौर का चुनाव लड़ रहे सभी 7 प्रत्याशियों द्वारा चुनावी खर्च का ब्यौरा दिया जा रहा है। जिन प्रत्याशियों ने चुनावी खर्च का लेखा-जोखा नहीं दिया है उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

समाधान के मंच पर सभी महापौर उम्मीदवार एक साथ होंगी

ग्वालियर। जागरूकता के लिए पिछले 28 सालों से काम कर रही सामाजिक संस्था समाधान ने रविवार 3 जुलाई 2022 को सुबह 10 बजे होटल सीता मैनोर गांधी रोड में नगर निगम चुनाव के संदर्भ में एक कार्यक्रम आयोजित किया है। इस आयोजन में महापौर पद की सभी उम्मीदवार एक ही मंच पर आमंत्रित की गई हैं। आयोजन में वाम दल की प्रतिनिधि को इस जवाब के साथ आमंत्रित किया गया है कि राष्ट्रीय दल होने और पार्षद उम्मीदवार खड़ा करने के बावजूद उन्होंने महापौर उम्मीदवार क्यों नहीं खड़ा किया है ?कार्यक्रम के संयोजक वरिष्ठ पत्रकार अजय तिवारी ने बताया कि इस आयोजन का मकसद यह है कि महापौर पद की उम्मीदवार इस भावना से अपनी बात रखें कि सबको मिलकर इस शहर का विकास करना है। इस कार्यक्रम का विषय नगर निगम में जनसमस्याओं के निराकरण का मॉडल और शहर का संतुलित विकास है। महापौर पद की उम्मीदवारों को समाधान नागरिकों की अपेक्षाओं वाला एक मांग पत्र भी भेंट करेगी। संस्था चुनाव में मतदाताओं और विशेषकर पहली बार के मतदाताओं को जागरूक करने का काम सालों से कर रही है, इस क्रम में वह मुद्दे समझाने के लिए चुनावी मुद्दों का एक पर्चा भी जारी करती है।

प्रेक्षक श्री शर्मा ने स्ट्राँग रूम एवं मतदान सामग्री वितरण व्यवस्था का लिया जायजा

ग्वालियर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा ग्वालियर जिले में नगरीय निकायों के आम निर्वाचन पर निगरानी रखने के लिये नियुक्त प्रेक्षक श्री बी एम शर्मा ने रविवार को शासकीय विज्ञान महाविद्यालय परिसर पहुँचकर नगर पालिक निगम ग्वालियर के चुनाव में उपयोग में लाई जाने वाली ईवीएम के स्ट्रॉंग रूम का जायजा लिया। साथ ही मतदान सामग्री वितरण व प्राप्ति के लिये की गई व्यवस्थाओं को भी देखा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु को ध्यान में रखकर मतदान सामग्री वितरण व प्राप्ति की व्यवस्था की जाए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

प्रेक्षक श्री शर्मा ने निर्देश दिए कि व्यवस्था ऐसी हो, जिससे तेज बारिश के

दौरान भी सुचारू रूप से मतदान सामग्री वितरित होती रहे। इसी तरह मतगणना दिवस के लिये भी तैयारियाँ की जाएँ। उन्होंने कहा विद्युत व्यवस्था भी पुख्ता होना चाहिए।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तिवारी ने बताया कि मतदान सामग्री वितरित करने के लिये कुल 65 काउण्टर बनाए गए हैं। मतदान के बाद मतदान सामग्री प्राप्त करने के लिये 25 अतिरिक्त काउण्टर को मिलाकर कुल 90 काउण्टर रहेंगे, जिससे मतदान दल सुविधाजनक तरीके से ईवीएम सहित अन्य मतदान सामग्री जमा कर सकें। मतदान सामग्री वितरण व प्राप्ति स्थल पर वाटर प्रूफ टैंक लगाए गए हैं।

ज्ञात हो शासकीय विज्ञान महाविद्यालय परिसर में नगर पालिक निगम के चुनाव में उपयोग में लाई जाने वाली ईवीएम को कड़ी सुरक्षा के बीच 6 स्ट्रॉंग रूम में कमीशनिंग के बाद रखा गया है। हर एआरओ के हिसाब से स्ट्रांग रूम बनाए गए हैं। प्रत्येक एआरओ को 11 - 11 वार्ड की जिम्मेदारी दी गई है। मतगणना दिवस पर मतगणना कक्ष में प्रत्याशियों के अभिकर्ता और मतगणना अधिकारियों के प्रवेश के लिये अलग-अलग प्रवेश द्वार और कोरीडोर रहेंगे।

विकास व प्रगति के कार्यों को गति देंगे डॉ. शोभा सिकरवार

वार्डों में बैठकें और जनसंपर्क जारी, हुआ जोरदार स्वागत

ग्वालियर। कांग्रेस पार्टी की महापौर पद की उम्मीदवार डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार ने कहा है कि 66 वार्डों के विकास व प्रगति में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कांग्रेस पार्टी का जन-जन से है नाता, गरीबों की मदद करना है आता। हमने गार्बेज शुल्क खत्म करने, बकाया जल कर माफकरने, जल कर की दरें कम करने, संपत्तिकर कम करने, निगम कर्मचारियों को नियमित करने, पाँच सौ गरीब कन्याओं का निःशुल्क विवाह कराने, स्वरोजगार के लिए 50-50 हजार रुपये देने एवं महिलाओं को सिलाई मशीन देने समेत अनेक जनहितकारी कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया है। कांग्रेस को आप सब विजयश्री का आशीर्वाद दें, हम आपकी अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे।

कांग्रेस महापौर पद की उम्मीदवार डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार ने वार्ड 21, 37,49 समेत अन्य वार्डों में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर

बैठकें और सभाएं की तथा आमजनों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हम 15 साल पार्षद रहे है, हमारे वार्ड का काम देखिए, आगे हम 66 वार्डों में विकास व प्रगति का नया इतिहास लिखेंगे और आम आदमी को सुविधाएं देते हुए टैक्स के बोझ को कम करेंगें। उन्होंने कहा कि विधायक सतीश सिकरवार का स्वास्थ्य खराब है, अगर मेरी जनता मेरे साथ चुनाव लड़ रही है और कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता प्रण-प्राण से जुटे हुए हैं। मुझे सभी वार्डों में जनता का स्नेह व आशीर्वाद मिल रहा है। इस दौरान जगह-जगह डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार का पुष्पवर्षा कर आमजनों ने आत्मीय स्वागत कर सर पर हाथ रखके आशीर्वाद दिया।

आज 4 जुलाई को सभी 66 वार्डों में कांग्रेस की तिरंगा यात्रा रोड शो रैली

ग्वालियर की जनता की यही पुकार, महपौर बनेंगी श्रीमती शोभा सतीष सिकरवार : डॉ देवेन्द्र शर्मा

ग्वालियर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने आज 4 जुलाई को प्रातः 8 बजे से सायंकाल 5 बजे तक सभी 66 वार्डों के प्रत्याषियों से अपने-अपने वार्ड में तिरंगा यात्रा निकालने के निर्देष जारी किए है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा, ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष अषोक सिंह, पूर्व मंत्री विधायक लाखन सिंह यादव, पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव, बालेंदू शुक्ला, पूर्व सांसद रामसेवक सिंह बाबूजी, विधायक प्रवीण पाठक, विधायक डॉ. सतीष सिकरवार, प्रदेष महासचिव सुनील शर्मा ने आज 66 वार्डों के कांग्रेस प्रत्याषियों को निर्देष जारी करते हुए कहा कि प्रत्येक वार्ड में जनसैलाब के साथ प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक हर घर हर द्वार कांग्रेस की करें जय-जय कार, श्रीमती शोभा सतीष सिकरवार महापौर बने इस बार, कांग्रेस की जीत का डंका बजे इस बार, नगर निगम परिषद मे कांग्रेस का बहुमत होगा पार, इस संकल्प के साथ प्रत्येक वार्ड में निवास कर रहे प्रदेष पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, मंडलम अध्यक्ष, सेक्टर अध्यक्ष, विभाग प्रकोष्ठ के पदाधिकारी, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस , सेवादल, एनएसयूआई, अपने-अपने वार्डों में कांग्रेस के रोड शो में भागेदारी निभाएं, कांग्रेस की महापौर बनाएं, निगम परिषद बनाएं, अबकी बार भाजपा की हार ग्वालियर की है यही पुकार, महापौर बनेंगी श्रीमती शोभा सतीष सिकरवार। निगम परिषद में ग्वालियर कांग्रेस को बहुमत देने को तैयार।

संक्षिप्त समाचार

व्यय प्रेक्षक श्री भदौरिया ग्वालियर आए

ग्वालियर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जिले में नगरीय निकाय आम निर्वाचन में चुनाव लड़ रहे अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय लेखा के प्रेक्षण के लिये सेवानिवृत्त उपायुक्त श्री वही एस भदौरिया को निर्वाचन व्यय प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। श्री भदौरिया निर्वाचन के दौरान 3 जुलाई से 6 जुलाई तक अभ्यर्थियों के व्यय लेखा के प्रेक्षण के लिये ग्वालियर में मौजूद रहेंगे। व्यय प्रेक्षक श्री भदौरिया का मोबाइल फोन नम्बर 9826511511 है। श्री भदौरिया यहाँ जीवाजी विश्वविद्यालय के विश्रामगृह के कक्ष क्रमांक-6 में ठहरे हैं। यहीं पर उनसे मुलाकात की जा सकती है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने निर्वाचन व्यय प्रेक्षक श्री भदौरिया के साथ निर्वाचन कार्य की लाइजिनिंग के लिए राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के लेखा अधिकारी श्री अनिल सक्सेना (मोबा. 9425122810) को लाइजिनिंग अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी है।

भाजपा के अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे बागी प्रत्याशियों को भाजपा ने 6 वर्ष के लिए निष्कासित किया

ग्वालियर। भाजपा जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पार्टी के उन कार्यकर्ताओं को जो नगरीय निकाय चुनाव 2022 के ग्वालियर नगर निगम में भाजपा के अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, जो कि अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है आज उन 26 कार्यकर्ताओं को 6 वर्ष के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया जाता है। 6 वर्ष के लिए निष्कासित होने वालों में रामवीर सिंह तोमर, गार्डन राय, शेरू राय, विश्वनाथ राव सालुंके, पंजाब सिंह यादव, कम्मोद जादौन, संतोष भारती, बलवीर सिंह तोमर, अवधेश तोमर (छोटू), सत्येन्द्र गुर्जर, आशु श्रीवास, ज्योति अहिरवार, अजीत जैन, अभिषेक चैहान, अबू तोमर, अमित सूरी, मुकेश परिहार, कुलदीप निधार, जीतू घुरैया, भुवनेश्वर सोनू वाजपेयी, कौशल वाजपेयी, अनूप उदेनिया, मुकेश राठौर, सूरज लक्षकार, अरूण कुशवाह, जगदीश राय शामिल हैं।

वार्ड के विकास में कोई कमी नहीं होगी मनोज तोमर मुश्तकील खान ने की भाजपा की सदस्यता ग्रहण

ग्वालियर। शहर के वार्ड 55 से भाजपा के पार्षद पद के प्रत्याशी मनोज तोमर ने शनिवार को वार्ड 55 की बशारत वाली गली, खटीक मोहल्ला, पिछोरियों की पहाड़िया, अवाडपुरा में जनसंपर्क कर लोगों से भाजपा पक्ष मतदान करने की अपील की। जनसंपर्क के दौरान श्री तोमर ने क्षेत्र के लोगों से वादा किया कि पार्षद बनने के बाद क्षेत्र के विकास में इसी तरह की कमी नहीं होगी वही सीवर पानी सड़क आदि समस्याओं का भी समाधान किया जाएगा । श्री तोमर ने कहा कि भाजपा ही शहर का और प्रदेश का विकास कर सकती है इसलिए किसी की बातों में ना आएं और भाजपा के हाथ मजबूत करें। श्री तोमर ने क्षेत्र के लोगों से अपने लिए और भाजपा की महापौर प्रत्याशी सुमन शर्मा के लिए वोट मांगे उन्होंने क्षेत्र के लोगों से कहा कि 6 जुलाई को होने वाले मतदान में वह भाजपा को वोट देकर उसके प्रत्याशी को विजयी बनाएं। आज जनसंपर्क के दौरान कांग्रेस के पूर्व पार्षद बशारत खान के पुत्र मुश्तकील खान को वार्ड 55 के प्रत्याशी मनोज तोमर ने भाजपा का अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर भाजपा ज्वाइन कराई। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष परवेज खान सहित कार्यकर्ता एवं क्षेत्र की जनता उपस्थित रही।

सुचारू मतदान के लिए हर मतदान केन्द्र पर पुख्ता व्यवस्थाएँ रहें - श्री वी एम शर्मा

मतदाता पर्ची वितरण में लापरवाही पर नगर निगम के दो टीसी निलंबित
निर्वाचन प्रेक्षक श्री शर्मा ने बैठक लेकर दिए निर्देश

ग्वालियर । सुचारू एवं सुव्यवस्थित ढंग से मतदान सम्पन्न कराने के लिये पुख्ता इंतजाम किए जाएँ। सभी मतदान केन्द्रों पर निर्धारित समय पर मॉक पोल कराएँ। साथ ही मास्टर ट्रेनर्स और इंजीनियर पूरी तरह मुस्तैद रहें, जिससे यदि कहीं से ईवीएम खराब होने की सूचना मिले तो उसे तत्काल दुरूस्त किया जा सके। इस आशय के निर्देश प्रेक्षक श्री बी एम शर्मा ने जिले में नगरीय निकाय आम निर्वाचन के लिये की गई तैयारियों की समीक्षा के दौरान दिए। उन्होंने कहा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न कराने के लिये वीडियोग्राफी की विशेष व्यवस्था की जाए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478